वर्ष : 34 | अंक : 224 | मुंबई, मंगलवार, 21 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

4 दिन में निवेशकों को 10 लाख करोड़ का फायदा

पेज-8

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दिवाली समारोह में हाइपोग्लाइसीमिया और डिहाइड्रेशन से 10 घायल

पेज-8

आत्मनिर्भर भारत
प्रतीक है यह पोत :

एजेंसी | गोवा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (20 अक्टूबर 2025) को गोवा में भारतीय नौसेना के स्वदेशी विमानवाहक पोत INS विक्रांत पर नौसेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई। प्रधानमंत्री ने इस क्षण को "ऐतिहासिक और भावनात्मक" बताया और कहा कि जवानों के बीच त्योहार मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

- 2022 में नौसेना को सौंपा, 2025 में उस पर मनाई दिवाली
- गहरा है INS विक्रांत से PM मोदी का रिश्ता

INS विक्रांत से जुड़ा प्रधानमंत्री मोदी का गहरा नाता

प्रधानमंत्री मोदी का INS विक्रांत से विशेष संबंध है। सितंबर 2022 में उन्होंने ही इसे भारतीय नौसेना को सौंपा था, और अब 2025 में उसी पोत पर दिवाली मनाकर उस ऐतिहासिक क्षण को फिर से जीवंत कर दिया।अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि INS विक्रांत आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का गौरवशाली प्रतीक है। उन्होंने कहा, "जिस दिन देश को स्वदेशी INS विक्रांत मिला, उसी दिन भारतीय नौसेना ने गुलामी के प्रतीक चिन्ह को त्यागकर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से नया नौसेना ध्वज अपनाया था।"

PM ने किया स्टीमपास्ट और फ्लाईपास्ट का निरीक्षण

INS विक्रांत पर दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री ने भव्य स्टीमपास्ट और फ्लाईपास्ट का अवलोकन किया, जिसमें भारतीय नौसेना की शक्ति और सामर्थ्य का शानदार प्रदर्शन हुआ। स्टीमपास्ट में शामिल युद्धपोत थे – INS विक्रांत, विक्रमादित्य, सूरत, मोरमुगाओ, चेन्नई, इम्फाल, कोलकाता, तुषिल, तबर, तेग, बेतवा, दीपक और आदित्य। फ्लाईपास्ट में नौसेना के अत्याधुनिक विमान जैसे चेतक, MH 60R, सीकिंग, कामोव 31, डोर्नियर, P8I और मिग-29K ने आकाश में प्रदर्शन किया।

INS विक्रांत – भारत का सबसे बड़ा स्वदेशी युद्धपोत

INS विक्रांत भारत का पहला पूर्णत: स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत है, जिसे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया। यह भारत का सबसे बड़ा युद्धपोत है, जो मिग-29K लड़ाकू विमानों सहित नौसेना की संपूर्ण विमानन क्षमताओं को वहन करता है। यह पोत भारत की समुद्री शक्ति, तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुका है।

PM मोदी का सोशल मीडिया पोस्ट

प्रधानमंत्री ने INS विक्रांत से जुड़ी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा – "आज गोवा में INS विक्रांत पर दिवाली मनाने का अद्भुत अनुभव हुआ। यह पोत भारत के सामर्थ्य, आत्मनिर्भरता और हमारे वीर जवानों की अटूट शक्ति का प्रतीक है।" INS विक्रांत पर दिवाली का यह आयोजन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामर्थ्य और गौरव का प्रतीक उत्सव बन गया।

पटाखों की अवैध तस्करी का भंडाफोड़

- करीब 5 करोड़ के चाइनीज पटाखे के साथ एक गिरफ्तार
- चीन से आया था तस्करी का माल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में सीमा शुल्क खुफिया निदेशालय (DRI) ने "ऑपरेशन फायर ट्रेल" के तहत आतिशबाजी और पटाखों की अवैध तस्करी का बड़ा खुलासा किया है। इस कार्रवाई में चीन से आयातित आतिशबाजी सामग्री की एक भारी खेप जब्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 4.82 करोड़ आंकी गई है। डीआरआई अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह आतिशबाजी सामग्री चीन से आयात की गई थी और इसे गलत दस्तावेजों के सहारे भारत लाने का प्रयास किया जा रहा था। जांच में पाया गया कि आयातक ने माल को "लेगिंग्स" के रूप में घोषित किया था, ताकि अधिकारियों को गुमराह किया जा सके।

न्हावा शेवा पोर्ट पर रोका गया कंटेनर

सूत्रों के अनुसार, डीआरआई की टीम ने न्हावा शेवा पोर्ट पर चीन से आए 40 फीट लंबे एक कंटेनर को रोका, जो गुजरात के अंकलेश्वर स्थित आईसीडी के लिए भेजा जा रहा था। संदेह होने पर कंटेनर की गहन तलाशी ली गई, जिसमें कपड़ों की परतों के पीछे आतिशबाजी का बड़ा जखीरा छिपा हुआ मिला।

लगभग 46,640 पटाखे बरामद

तलाशी में कुल 46,640 टुकड़े आतिशबाजी और पटाखों के बरामद किए गए। डीआरआई अधिकारियों ने तुरंत माल को जब्त कर लिया और दस्तावेज़ों की जांच शुरू की। जांच के दौरान कई अहम साक्ष्य और लेन-देन से जुड़े दस्तावेज़ मिले, जिनसे तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ।

एक आरोपी गिरफ्तार

छापेमारी के बाद डीआरआई ने गुजरात के वेरावल से तस्करी नेटवर्क के एक प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया है। सूत्रों का कहना है कि यह व्यक्ति चीन से आयातित अवैध पटाखों की देश के विभिन्न हिस्सों में आपूर्ति की कड़ी में शामिल था।

सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

डीआरआई ने बताया कि इस तरह के खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों का अवैध आयात सार्वजनिक सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक प्रणाली के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है।

महाराष्ट्र में फिर बरसेंगे बादल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कोंकण, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और मराठवाडा में मेघगर्जना व तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। यह मौसमी प्रभाव 25 अक्टूबर तक बने रहने की आशंका है, जिससे किसानों और नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मानसून के लौटने के बाद भी राज्य में बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मुंबई और आसपास के जिलों में उमस भरी गर्मी से राहत तो मिलेगी, लेकिन कृषि क्षेत्र को नुकसान का डर है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि धान, कपास, सब्जियों और बागानों की फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। राज्य पहले से ही इस साल हुई भारी बारिश के कारण बड़े पैमाने पर नुकसान झेल चुका है।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय सिस्टम

अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है, जबकि दक्षिण अंडमान सागर में भी एक अन्य सिस्टम सक्रिय है। अगले 48 घंटों में बंगाल की खाड़ी में नया कम दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मुंबई बना दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर

शहर भर के कई निगरानी केंद्रों ने 200 से अधिक एक्यूआई किया दर्ज

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई की वायु गुणवत्ता शनिवार और रविवार को और भी खराब हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के अनुसार, शहर का औसत AQI 157 से 171 के बीच दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। शहर के विभिन्न निगरानी केंद्रों ने बताया कि कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से अधिक पहुंच गया, जो 'खराब' श्रेणी में शामिल है। इससे स्पष्ट है कि प्रदूषण का स्तर बढ़ते-बढ़ते अब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक स्तर पर पहुंच रहा है।

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स सबसे प्रभावित

मुंबई का बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) इस सप्ताहांत सबसे प्रदूषित इलाका रहा। यहां AQI 300 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यहां बढ़ते निर्माण कार्य और वाहन उत्सर्जन प्रदूषण के मुख्य कारण हैं।

ठाणे और अंधेरी में भी प्रदूषण बढ़ा

ठाणे, अंधेरी और मालाड जैसे उपनगरों में भी AQI 180 से 220 के बीच रहा। स्थानीय निवासियों ने हवा में धुंध और सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। सुबह और देर शाम के समय दृश्यता भी कम देखी गई। मौसम विभाग के अनुसार, इन दिनों तापमान में गिरावट और हवा की गति में कमी के कारण प्रदूषक तत्व ऊपर नहीं उठ पा रहे, जिससे वायु गुणवत्ता और बिगड़ रही है। यह स्थिति अक्टूबर के अंत तक बनी रह सकती है।

बीएमसी ने बढ़ाई निगरानी

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने बताया कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्माण स्थलों और सड़कों पर धूल नियंत्रण उपाय तेज किए गए हैं। पानी का छिड़काव, कवर शीट लगाना और डंपिंग साइट्स की निगरानी जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निजी वाहनों का उपयोग कम करें, साझा परिवहन का प्रयोग बढ़ाएं।

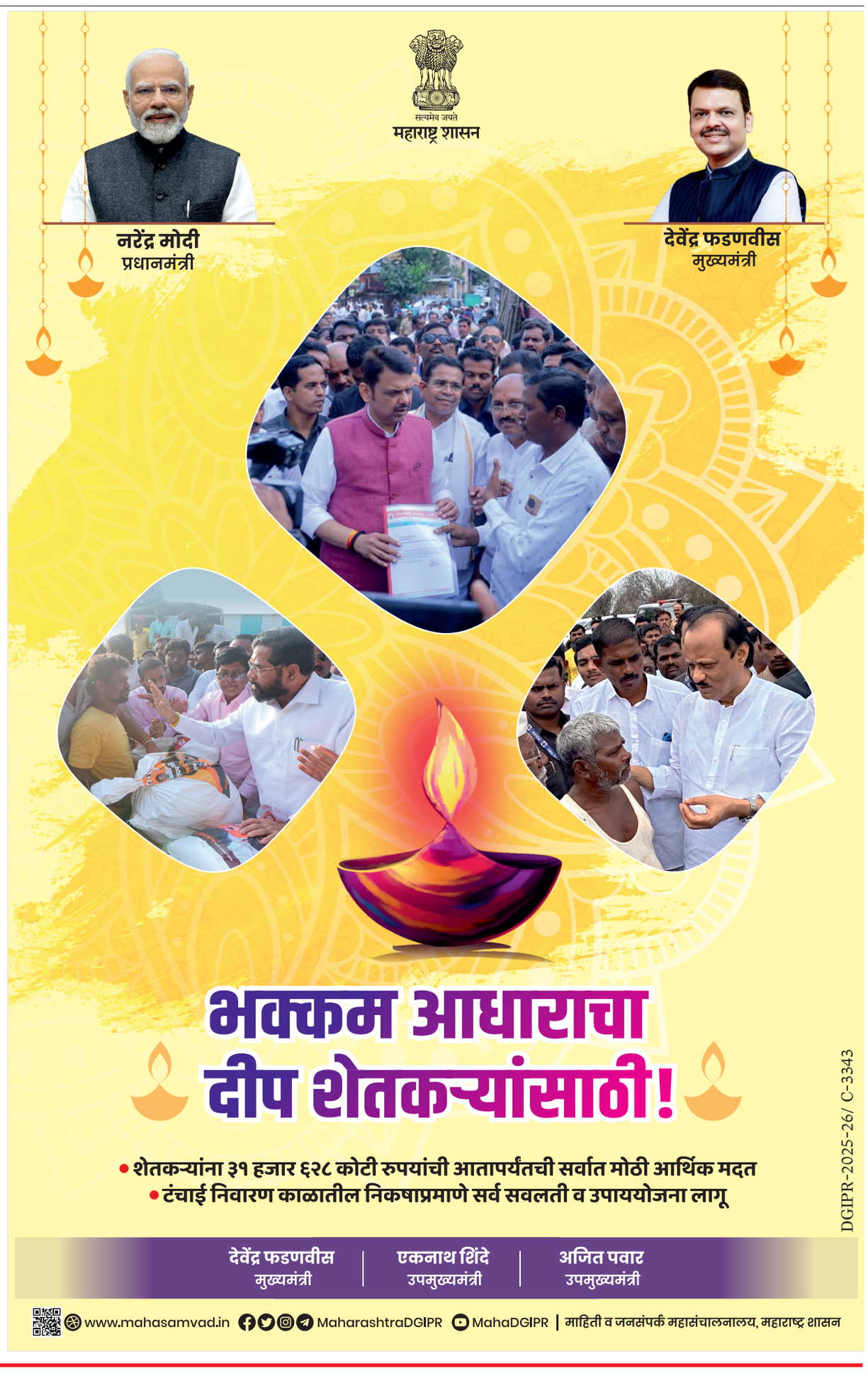

पहल मध्य रेलवे ने स्थायी समाधान के लिए कदम उठाए, निरीक्षण किया

पटरियों पर पानी जमा होने पर भी लोकल ट्रेनें चलती रहेंगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में हर साल मानसून के दौरान रेलवे पटरियों पर जलभराव एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आती है। विशेष रूप से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और कुर्ला स्टेशन के बीच भारी मात्रा में पानी जमा होने से ट्रेन परिचालन प्रभावित होता है। अब मध्य रेलवे ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कदम उठाए हैं। आईआईटी मुंबई की सिफारिश के अनुसार, एलटीटी क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत जल भंडारण टैंक बनाया जाएगा। इस टैंक की क्षमता लगभग 10 करोड़ लीटर होगी, जिससे मानसून के दौरान जमा पानी को सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जा सकेगा।

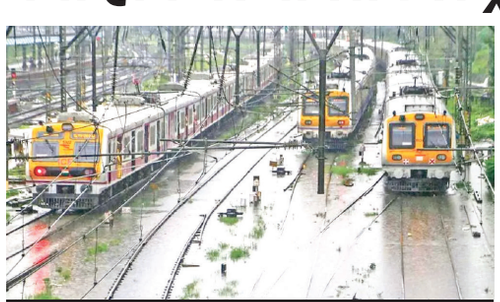

जलभराव वाले क्षेत्रों का किया गया अध्ययन

मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) के निर्देश पर आईआईटी मुंबई ने जलभराव की समस्या पर गहन अध्ययन किया। इसमें मध्य रेलवे के कुर्ला से एलटीटी और पश्चिम रेलवे के दादर से लोअर परेल खंडों का निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञों ने जल प्रवाह, बाढ़ प्रबंधन और निकासी प्रणालियों के प्रभावी एवं किफायती उपायों पर सुझाव दिए।

सर्वे रिपोर्ट सौंपी गई रेलवे प्रशासन को

अध्ययन के बाद आईआईटी मुंबई ने एक विस्तृत सर्वे रिपोर्ट रेलवे को सौंप दी है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कुर्ला-एलटीटी क्षेत्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की तरह एक बड़ा भूमिगत जल टैंक बनाया जाए, जिसकी क्षमता लगभग 1,16,800 घन मीटर होगी।

वर्षा जल संग्रहण और पुन: निकासी की व्यवस्था

इस परियोजना के अंतर्गत बनाए जा रहे भूमिगत टैंकों में मानसून का पानी जमा किया जाएगा। वर्षा थमने के बाद, इन टैंकों में जमा पानी को उच्च क्षमता वाले पंपों की मदद से समुद्र में छोड़ा जाएगा, जिससे पानी तेजी से निकलेगा।

स्थानीय निकाय चुनाव मामला

डीसीएम शिंदे ने विपक्ष के 'ढुलमुल रवैये' की आलोचना की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए उसके 'दोहरे रुख' की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले स्थानीय निकाय चुनाव को प्राथमिकता देने की मांग कर रहा था, लेकिन अब कथित विसंगतियों का हवाला देकर इन्हें स्थगित करने की बात कर रहा है।

शिंदे ने आरोप लगाया कि विपक्ष को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में 'निश्चित हार' का डर है। उन्होंने विश्वास जताया कि सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन इन चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करेगा। महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं।

हाल ही में शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), कांग्रेस, राकांपा (शरद पवार गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) समेत विपक्षी दलों के नेताओं ने राज्य चुनाव आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की थी। उन्होंने मतदाता सूची में डुप्लिकेट नाम और विसंगतियों का मुद्दा उठाते हुए चुनावों को टालने की मांग की थी। विपक्षी दलों ने अधिकारियों से आग्रह किया है कि ग्रामीण और शहरी निकाय चुनाव कराने से पहले मतदाता सूची को सुधारा जाए और सभी विसंगतियों को दूर किया जाए। गौरतलब है कि राज्य में ये चुनाव 31 जनवरी 2026 तक संपन्न कराए जाने हैं।

दिवाली के अवसर पर ठाणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिंदे ने विपक्ष के 'विरोधाभासी रुख' पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष खुद जोर दे रहा था कि चुनाव जल्द कराए जाएं, और अब जब चुनाव का समय आया है, तो वही दल चुनाव टालने की मांग कर रहे हैं।'

'विपक्ष को हार का पूर्वाभास'

शिंदे ने कहा कि विपक्षी दलों को चुनावी हार का आभास हो चुका है, इसलिए वे मतदाता सूची की विसंगतियों को बहाना बनाकर चुनाव स्थगित करवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता के साथ चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'चुनाव आयोग को कोसने के बाद उसी के पास पहुंचे'

शिंदे ने कहा कि विपक्ष ने पहले चुनाव आयोग पर आरोप लगाए, उसकी आलोचना की, लेकिन अब वही दल अपनी शिकायतें लेकर उसी आयोग के पास पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह रुख विपक्ष की राजनीतिक अस्थिरता और भ्रम को दर्शाता है।

महायुति की जीत का दावा

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता महायुति के विकास कार्यों से संतुष्ट है और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन को भारी समर्थन मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि सरकार की योजनाएं और जनकल्याणकारी नीतियां चुनाव परिणामों में साफ झलकेंगी।

ठाणे कोर्ट ने हत्या के दो आरोपियों को किया बरी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की एक अदालत ने 2023 में हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में दो आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि सारे सांयोगिक साक्ष्य एक मजबूत कड़ी के रूप में जुड़ते हैं और आरोपियों की दोषसिद्धि को संदेह से परे साबित करते हैं। इस केस की सुनवाई कर रहे प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसबी. अग्रवाल ने माना कि मृतक की मौत एक हत्या (हॉमिकाइड) थी, जिसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एक गवाह और मृतक की बेटी की गवाही से साबित किया गया है।

अदालत ने कहा कि केस के अहम हिस्सों में गंभीर खामियां हैं। जैसे कि CCTV फुटेज सिर्फ यह दिखाता है कि आरोपी आसपास के इलाके में थे, लेकिन घटना को होते नहीं दिखाता। इसे ठोस सबूत नहीं माना जा सकता। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि अभियोजन पक्ष ने एक गवाह का बयान नौ दिन बाद लिया, जबकि उस गवाह ने घटना के दिन ही आरोपियों के कथित कबूलनामा की बात कही थी। इतनी देरी पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि चॉपर और हथौड़ा कहां से खरीदे गए, इसे लेकर जो सबूत दिए गए, वो भरोसेमंद नहीं पाए गए। वहां हथियारों और आरोपियों के कपड़ों पर मिले खून के निशानों की जांच रिपोर्ट निर्णायक) नहीं थी। इन सब खामियों के चलते अदालत ने कहा कि अभियोजन अपना केस साबित नहीं कर सका और आरोपियों को बरी कर दिया।

क्या है पूरा मामला, समझिए

बता दें कि अभियोजन के मुताबिक, रविंद्र पडसे की 28 फरवरी 2023 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर के जांभली नाका इलाके में हत्या कर दी गई थी। मामले में आरोप था कि सड़क के ठेले को लेकर हुए विवाद में दो आरोपियों धुरुपचंद उर्फ ध्रुव विश्वनाथ पटवा (35) और अशरफ हज़रत अली ने रविंद्र पर चॉपर और लोहे के हथौड़े से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के परिवार वालों ने बताया कि रविंद्र खून से लथपथ हालत में मिला था और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 34 (साझा इरादा), आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

सेक्सटॉर्शन रैकेट का पर्दाफाश

डीबीडी संवाददाता । पालघर

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट के साइबर पुलिस स्टेशन ने ऑनलाइन सेक्सटॉर्शन रैकेट के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। शहर के एक निवासी से साइबर ब्लैकमेल के जरिए वसूले गए 41,550 की रकम बरामद की गई है। इस रकम की वसूली दो साल और छह महीने लंबी कानूनी और तकनीकी जांच के बाद संभव हो सकी। पुलिस ने रैकेट का नेटवर्क खंगालते हुए आरोपी तक पहुँच बनाई और रकम बरामद की।

नवघर थाना क्षेत्र के निवासी मुकेश चौधरी को अप्रैल 2023 में एक अज्ञात महिला का व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। बातचीत के दौरान महिला ने उसे अश्लील गतिविधियों में उलझाकर वीडियो में कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया। पीड़ित को बिना बताए, वीडियो चुपके से रिकॉर्ड कर लिया गया। कुछ ही समय बाद महिला ने ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया, पैसे न देने पर वीडियो और मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया और उसके संपर्कों पर शेयर करने की धमकी दी।

पीड़ित ने बदनामी के डर से आरोपी को दी रकम

बदनामी और सामाजिक अपमान के डर से, पीड़ित ने कुल 41,550 आरोपी महिला को ट्रांसफर कर दिए। इस दौरान पीड़ित लगातार मानसिक और भावनात्मक तनाव से गुजरता रहा। साइबर पुलिस ने आरोपित महिला का पता लगाते हुए उसे ट्रैक किया और बरामद की गई रकम को पीड़ित के पास वापस लौटाया। इस कार्रवाई से साइबर अपराध के प्रति पुलिस की सतर्कता और तकनीकी क्षमता उजागर हुई।

किसानों की काली दिवाली के खिलाफ कांग्रेस का राज्य भर में प्रदर्शन

मंत्री आशीष ने मनसे अध्यक्ष पर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को राज्य के कई जिलों में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के नेताओं ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि उसकी नाकामी के कारण इस बार किसानों की दिवाली काली हो गई है। बाढ़ के चलते खराब हुई फसलें, कर्जमाफी नहीं करने और फसलों का उचित दाम न मिलने जैसी समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने सरकार की तीखी आलोचना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ विश्वासघात कर रही है। सरकार ने किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। ये दिवाली किसानों के लिए काली दिवाली की तरह है। सरकार ने सिर्फ वादे किए, जमीन पर कुछ नहीं किया। यही कारण है कि हमने किसानों के साथ मिलकर पिठलं, भाकरी और ठेचा खाकर आंदोलन किया। सपकाल ने कहा कि राज्य के 30 जिलों की 350 से अधिक तहसीलों में किसानों की लाखों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। हमने सरकार से 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की मदद की मांग की थी लेकिन सरकार ने किसानों को जिस मदद का ऐलान किया वह भी अभी तक नहीं मिली है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में, खासतौर पर विदर्भ, मराठवाड़ा, कोकण, उत्तर महाराष्ट्र के इलाकों में पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। लोंढे ने यह भी आरोप लगाया कि किसानों का बारिश और बाढ़ से सब कुछ बह गया, फिर भी घोषित 32 हजार करोड़ रुपए का राहत पैकेज किसानों के लिए एक धोखा साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने फसल बर्बादी पर 5 लाख रुपए तक का मुआवजा और कर्ज माफी की मांग की, लेकिन महायुति सरकार ने पुरानी योजनाओं को जोड़कर एक नया पैकेज घोषित कर दिया, जो किसानों अब तक नहीं मिला है। यह विरोध आंदोलन सिर्फ राजनीतिक नहीं बल्कि किसानों की आवाज उठाने के लिए है। कांग्रेस अब किसानों की लड़ाई सड़कों पर भी लड़ेगी।

मैं राज ठाकरे को महत्व नहीं देता हूं-शेलार

उधर भाजपा नेता तथा प्रदेश के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी मतदाता होने वाले दावे पर निशाना साधा है। सोमवार को शेलार ने कहा कि मैं राज के बयान को गंभीरता से नहीं लेता हूं। मनसे को मुंबईवासी, मराठी भाषिक और महाराष्ट्र के लोग भी गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई मनपा चुनाव करीब है। इसलिए मनसे मतदाताओं से वोट मांगने के लिए फेक नैरेटिव तैयार कर रही है।

क्योंकि जब दिखाने के लिए कुछ काम नहीं है। जमीन पर कार्यकर्ता नहीं हैं। जनता का समर्थन नहीं है तो फेक नैरेटिव का समर्थन लेने की नौबत आती है। शेलार ने कहा कि जब विपक्ष चुनावों में जीत हासिल करता है तो मतदाता सूची और ईवीएम मशीनें ठीक रहती हैं। लेकिन जब हार मिलती है तो मतदाता सूची और ईवीएम मशीनें गड़बड़ हो जाती है। जनता विपक्ष की इस भूमिका को अच्छी तरह पहचानती है। विपक्ष की ओर से 1 नवंबर को मोर्चा निकालने के सवाल पर शेलार ने कहा कि आंदोलन करने का सभी को अधिकार है। चुनाव आयोग की ओर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के काम के लिए बूथस्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नियुक्त किए जाते हैं। जबकि राजनीतिक पार्टियों को बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्ति करना होता है। लेकिन विपक्षों दलों को बीएलए नियुक्ति के लिए भी ध्यान देना चाहिए। क्योंकि नियमों और कानून के तहत बीएलए मतदाता सूची में नामों को जोड़ने अथवा हटाने की प्रक्रिया को करीब से नजर रख सकता है। मगर, विपक्ष अपनी जिम्मेदारी निभाने से बच रहा है।

बीकेसी, शिव यात्रा आसान होगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

धारावी में ड्राइव-इन थिएटर के पास मीठी नदी पर बने पुराने पुल को तोड़कर नगर निगम एक नया पुल बनाने जा रहा है। नगर निगम ने इस पुल के निर्माण कार्य के लिए एक ठेकेदार का चयन कर लिया है। नगर निगम के सूत्रों ने बताया कि इस पुल के निर्माण कार्य की लागत लगभग 303 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। इस नए पुल से इलाके में यातायात की भीड़भाड़ कम होगी। मुंबई नगर निगम ने मीठी नदी पर पुल के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। जुलाई 2005 में हुई भारी बारिश के बाद, डॉ. चितले की अध्यक्षता में एक तथ्य-खोजी समिति का गठन किया गया था। उस समय इस समिति ने मीठी नदी की चौड़ाई 68 मीटर से बढ़ाकर 100 मीटर करने की सिफ़ारिश की थी। इस सिफारिश के अनुसार, पश्चिमी उपनगरों में शिव-धारावी और बांद्रा को जोड़ने वाले पुल का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसकी चौड़ाई भी बढ़ाई जाएगी। यह कार्य दो चरणों में किया जाएगा। बांद्रा पूर्व में ड्राइव-इन थिएटर के पास मीठी नदी बहती है। इस नदी पर बने पुल पर यातायात होता है, लेकिन वाहनों की भारी भीड़ रहती है। इसी के चलते नगर निगम ने पुल की चौड़ाई और ऊँचाई बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मुंबई नगर निगम मीठी नदी पर बनाएगा नया पुल

दो साल में पूरा होगा काम

- वर्तमान में पुराने पुल की चौड़ाई 9.3 मीटर है, जबकि लंबाई 108 मीटर है। नए पुल का काम पूरा होने के बाद इसकी चौड़ाई 48 मीटर हो जाएगी।
- यह पुल बीकेसी, शिव जैसी जगहों पर जाने वाले वाहनों के लिए यात्रा को और सुगम और सुगम बनाएगा। नए पुल के काम के लिए एक ठेकेदार का चयन कर लिया गया है।
- पुल के पुनर्निर्माण पर 303 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है। इस नए पुल को 2 साल में बनाने का लक्ष्य है।

मध्य रेल
ई-निलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति और उनकी ओर से प्रधान मुख्य सामुग्री प्रबंधक, स्क्रैप की बिक्री : **अक्टूबर - 2025** माह में निम्नानुसार नीलामी करेंगें: **सुचना** : भविष्य मे माह की ई-नीलामी कार्यक्रम का प्रकाशन समाचार पत्रिका मे बंद कर दिया जायेगा। तब खरिदार मध्य रेल्वे की वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर माह की ई-नीलामी का कार्यक्रम देख सकते है।

निलामी आयोजन करने वाले अधिकारी	निलामी तिथि एवं दिन	संपर्क क्र.
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक नागपुर	31.10.2025 शुक्रवार	7219612750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक भुसावल और मनमाड डिपो	27.10.2025 सोमवार	7219611751
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक पुणे	27.10.2025 सोमवार	7219613750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक मुंबई	31.10.2025 शुक्रवार	8828119750
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक सोलापुर	28.10.2025 मंगलवार	7219614750
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (एम) परेल सहायक. सामुग्री प्रबंधक (जी) करी रोड के लिये	31.10.2025 शुक्रवार	8828119755
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (एम) परेल	31.10.2025 शुक्रवार	8828119755
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक (सीडब्ल्यूई) माटुंगा	27.10.2025 सोमवार	8828119770
वरि. मंडल सामुग्री प्रबंधक मुंबई सहा.सामुग्री प्रबंधक हाजीबंदर डिपो के लिये	31.10.2025 शुक्रवार	8828119750
उप मुख्य सामुग्री प्रबंधक [एसीएल] भुसावल	31.10.2025 शुक्रवार	7219611750

सुचना :- यदि आवश्यक हो तो पुरक निलामी मूल तिथि से अगले कार्य दिवस और निलामी के समय पर आयोजीत की जाएगी। रेलवे प्रशासन अपने स्वविवेक से किसी भी पुरक निलामी को रद्द करने का अधिकार रखता है। **टिप्पणी: - क)** ई-निलामी से कोई भी लॉट वापस लेने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है। किसी भी तदनंतर निलामी ने किसी भी डिपो/मंडलों के किसी भी लॉट की किसी भी उचित तरीके से निलामी करने का अधिकार भी रेलवे के पास सुरक्षित है। मध्य रेल के अन्य डिपो/मंडल के न बिक्री हुए लॉट को भी अन्य डिपो /मंडल की तदनंतर निलामी में बेचा जा सकता है। **ख)** सरकार की नीति के अनुसार जहां क्रय सामग्री की रि-साइकिलिंग से पर्यावरण को नुकसान पहुँचता हो तथा प्रदूषण फैलता हो, ऐसे लॉट्स केवल प्राधिकृत बोलीकर्ताओं को ही बेचे जाएँगे जिनके पास केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) / राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) द्वारा जारी वैध लाइसेंस हो। **ग)** ई-निलामी पुस्तिका **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगी। **घ)** ई-निलामी, डिजिटल हस्ताक्षर, पंजीकरण, कार्यविधि तथा सहभागीता आदि के संबंध में यदि कोई सहायता अपेक्षित हो तो कृपया निलामी आयोजित करनेवाले उपर्युक्त अधिकारियों अथवा उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिक्री/मुख्यालय से संपर्क करें जिनका मोबाईल नं. **8828110761** तथा ई-मेल पता **dycmm.s.cstm@gmail.com, dycmms@cr.railnet.gov.in** है।

DE-570 **प्रधान मुख्य सामुग्री प्रबंधक**

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदये आमंत्रित करते है। **क्र. सं.: 1. निविदा सूचना क्र.: 37-2025 SrDENC, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम**: Construction of quarter in lieu of old quarters at KWV (Type-III 04), MLM (type-II 04 units) under ADEN/KWV/ BG Sub Division. **अनुमानित लागत**: रु. 1,73,26,161.59. **बयाना रक्कम**: रु. 236600/-. **समापन की अवधी**: 06 Months. **अनुरक्षण की अवधी**: 24 Months. **क्र. सं.: 2. निविदा सूचना क्र.: 38-2025-S D E N C, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम**: Construction of New quarters at LUR (Type-III 04), OSA (type-11 04 units) & DKY (Type-II 02 units) under ADEN/LUR. **अनुमानित लागत**: रु. 2,14,14,233.31. **बयाना रक्कम**: रु. 257100/-. **समापन की अवधी**: 06 Months. **अनुरक्षण की अवधी**: 24 Months. **क्र. सं.: 3. निविदा सूचना क्र.: 39-2025-S r D E N C, दिनांक. 20.10.2025. कार्य का नाम**: Miscellaneous P.way Work Under SSE/ P.way/ MRJ under ADEN/PVR Sub-division for a period of two years. **अनुमानित लागत**: रु. 2,35,08,474.07. **बयाना रक्कम**: रु. 2,67,600/-. **समापन की अवधी**: 24 Months. **अनुरक्षण की अवधी**: NA. **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय**: 10.11.2025 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय**: 10.11.2025 को 15.30 बजे। निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: **www.ireps.gov.in**. पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
DE/Sur-64 मध्य रेल, सोलापुर

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

घोड़बंदर में सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

रविवार रात घोड़बंदर इलाके में एक महिला को तेज़ रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। मृतक महिला की पहचान स्वाति कदम (40) के रूप में हुई है। इस मामले में कासरवडावली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। स्वाति ने आठ दिन पहले ही घोड़बंदर के नागलाबंदर इलाके में स्थित एक हेयर सैलून में काम शुरू किया था। रविवार को काम समाप्त होने के बाद वह घर लौट रही थीं।

रात का समय होने के कारण,

हेयर सैलून के मालिक मनोज ठाकुर ने स्वाति को अपनी मोटरसाइकिल से घर छोड़ने का निर्णय लिया। सैलून में उस समय ग्राहकों की भारी भीड़ थी। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों घोड़बंदर से ठाणे जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज़ रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मनोज और स्वाति दोनों सड़क पर गिर गए।

दोनों घायल, स्वाति की मौत

दुर्घटना में मनोज को गंभीर चोटें आईं, जबकि स्वाति के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने स्वाति को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद, कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश जारी है और उसे जल्द पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। कासरवडावली पुलिस स्टेशन ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच शुरू कर दी है।

एक्शन मोड में आए मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा

रोहिंग्या, घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका पी-उत्तर विभाग का जनता दरबार का आयोजन कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की अध्यक्षता में किया गया। इसमें रोहिंग्या बांग्लादेशियों की घुसपैठ, सरकारी जमीनों पर बढ़ते अतिक्रमण, गुंडागर्दी, मादक पदार्थों, शराब एवं अन्य असामाजिक तत्वों से आम नागरिकों को हो रही परेशानी जैसी कई गंभीर समस्याएं स्थानीय नागरिकों की ओर से उठाई गई। बैठक में एक रिपोर्ट के माध्यम से दावा किया गया क्षेत्र में 10,000 से अधिक अवैध निर्माण और मकान हैं। ऐसी तमाम अवैध एवं अवांछित गतिविधियों के खिलाफ मंत्री लोढ़ा सख्त और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं पूरी कार्रवाई की निगरानी करेंगे और इस मामले की समीक्षा के लिए एक बैठक भी बुलाएंगे।

नागरिकों ने बताया कि मालवणी क्षेत्र में 20 से अधिक आंगनवाड़ी हैं, जिनमें से अधिकांश पर अतिक्रमण हो चुका है। इसी तरह पर्यावरण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मैंग्रोव्स की कटाई और अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया गया। लोगों ने कहा कि मैंग्रोव्स का संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। सरकार भी इसके लिए प्रयासरत है। इसके बावजूद रोहिंग्या बांग्लादेशी घुसपैठिए मैंग्रोव्स को नष्ट करके अतिक्रमण कर रहे हैं। लेकिन इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। इस पर तीव्र नाराजगी व्यक्त करते हुए मंत्री लोढ़ा ने पुलिस और बीएमसी प्रशासन को अतिक्रमणों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तत्काल एक समिति का गठन करने के भी निर्देश दिए और कहा कि समिति गंभीर स्थिति का मूल्यांकन कर तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करनी होगी। मालवणी क्षेत्र में एक वृद्ध महिला और उनके परिजनों पर जानलेवा हमला करनेवाले कट्टरपंथियों को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। मंत्री लोढ़ा और विधायक उपाध्याय ने पुलिस अधिकारियों को 24 घंटों में उचित की चेतावनी देते हुए यदि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो कड़ी कार्रवाई करेंगे।

47 अधिकारियों को मिला विशेष दिवाली गिफ्ट

राजस्व मंत्री ने जारी किया पदोन्नति का सरकारी आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दिवाली के अवसर पर राज्य के 47 राजस्व अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया है। इनमें से 23 अधिकारियों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (चयनात्मक ग्रेड) के पद पर पदोन्नत किया गया है, जबकि 24 उप जिला कलेक्टरों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस फैसले से चयनात्मक ग्रेड पाने वाले कई अधिकारियों के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है।

दोगुनी हुई दिवाली की खुशी

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में हम एक पारदर्शी सरकार और गतिशील प्रशासन प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। पदोन्नति से अधिकारियों का उत्साह बढ़ता है और काम को गति भी मिलती है। जबकि राज्य में अधिकारियों की पदोन्नति का मामला पिछले कई वर्षों से लंबित था। हम दिवाली तक उनकी पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। और हम इन अधिकारियों की दिवाली की खुशी को दोगुना करने में सफल रहे हैं। इस पदोन्नति ने कई अधिकारियों के आईएएस बनने का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

कांजुरमार्ग में प्रदूषण की होगी जांच

स्थापित होगी प्रयोगशाला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से फैल रही दुर्गंध को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब मुंबई मनपा (बीएमसी) प्रशासन ने निर्णायक कदम उठाया है। प्रशासन ने डंपिंग ग्राउंड के प्रदूषण की जांच के लिए एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय लिया है।

बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, यह प्रयोगशाला करीब 13 लाख रुपये की लागत से स्थापित की जाएगी। काम दिवाली के बाद शुरू होकर 15 दिन से तीन महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। प्रयोगशाला के माध्यम से क्षेत्र में वायु और पर्यावरण की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण किया जाएगा।

वैज्ञानिक तरीके से होगी जांच

बीएमसी के ठोस कचरा प्रबंधन विभाग ने बताया कि शिकायतों का समाधान अब वैज्ञानिक तरीके से किया जाएगा। प्रयोगशाला के माध्यम से वायु, मिट्टी और जल की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा ताकि समस्या के मूल कारणों की पहचान की जा सके।

26 स्थानों पर होगा निरीक्षण

डंपिंग ग्राउंड के आसपास कुल 26 स्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। इसमें कन्नमवार नगर, टैगोर नगर, कांजुरमार्ग (पूर्व), ड्रीम कॉम्प्लेक्स (भांडुप), विक्रोली, घाटकोपर, नाहुर, मुलुंड और ईस्टर्न एक्सप्रेस हायवे के आसपास के इलाके शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कंपोस्ट संयंत्र, बायोरिएक्टर लैंडफिल और प्री-प्रोसेसिंग यूनिट का भी विश्लेषण किया जाएगा। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि दुर्गंध किन इकाइयों से निकल रही है और उसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम आवश्यक हैं।

कंपनी ने शुरू किया पर्यावरण ऑडिट

कचरा प्रसंस्करण कार्य देख रही एंटनी लारा एनवायरो सॉल्यूशन्स कंपनी ने अपने स्तर पर पर्यावरण सेल स्थापित किया है। कंपनी ने बताया कि दुर्गंध की शिकायतों के आधार पर ऑडिट प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि भविष्य में प्रदूषण को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सके।

नागरिकों में बढ़ी स्वास्थ्य समस्याएं

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड से उठने वाली बदबू और गैसों के कारण आसपास के इलाकों में सांस लेने में तकलीफ, खांसी, उल्टी, अस्थमा और त्वचा रोग जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ी हैं। इन समस्याओं को लेकर नागरिकों ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था। डंपिंग ग्राउंड से हो रहे प्रदूषण और दुर्गंध की समस्या को लेकर नागरिकों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की थी। अदालत के हस्तक्षेप के बाद बीएमसी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जांच की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है।

मोबाइल चोरी का बड़ा रैकेट बेनकाब

मुंबई। मुंबई में मोबाइल चोरी का एक संगठित रैकेट सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि ये चोर सिर्फ फोन चुराते ही नहीं, बल्कि उन्हें रिपेयर कर IMEI नंबर बदलकर बांग्लादेश तक बेच देते हैं। यह नेटवर्क अंतरराज्यीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय था।

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच मुंबई में 39,257 मोबाइल चोरी या खोने की शिकायतें 'संचार सारथी' पोर्टल पर दर्ज की गईं। वहीं 2024 में यह संख्या 57,098 तक पहुंची थी। पुलिस का कहना है कि कई लोग इस पोर्टल के बारे में जानकारी न होने के कारण शिकायत दर्ज नहीं कराते, जिससे असली आंकड़े और भी अधिक हो सकते हैं।

क्या है संचार सारथी और CEIR?

'संचार सारथी' एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां कोई भी व्यक्ति चोरी या खोए फोन की IMEI संख्या ब्लैकलिस्ट करवा सकता है। ब्लैकलिस्ट किए जाने के बाद फोन किसी भी भारतीय नेटवर्क पर काम नहीं करता। यह सुविधा Central Equipment Identity Register (CEIR) के माध्यम से दी जाती है, जिसे पूरे देश में 17 मई 2023 को लॉन्च किया गया था। मुंबई से अब तक 'संचार सारथी' पोर्टल पर 1.5 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। इस पोर्टल के जरिए न केवल फोन ब्लॉक किए जा सकते हैं बल्कि सेकंड-हैंड फोन चोरी के हैं या नहीं, यह भी जांचा जा सकता है। साथ ही, TAFCOP सेवा से यह भी पता लगाया जा सकता है कि किसी व्यक्ति के नाम पर कितनी सिम जारी हैं।

पुलिस ने लौटाए 27,000 चोरी के मोबाइल

मुंबई पुलिस ने हाल ही में 27,000 चोरी हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को वापस लौटाए। यह सफलता CEIR और IMEI ट्रैकिंग प्रणाली की वजह से मिली है। इन तकनीकों ने मोबाइल फोन की पहचान और ट्रेसिंग को पहले से अधिक आसान और सटीक बना दिया है।

हाल ही में क्राइम ब्रांच यूनिट-6 ने पवई में एक मोबाइल रिपेयर शॉप पर छापा मारा और दो लोगों को गिरफ्तार किया। वहां से चोरी के कई फोन और फर्जी IMEI वाले हैंडसेट जब्त किए गए। आरोपियों पर आरोप है कि वे चोरी के फोन का IMEI नंबर बदलकर उन्हें फिर से सक्रिय करते और बेच देते थे।

बांग्लादेश तक होती थी तस्करी

जांच में सामने आया कि यह गिरोह चोरी के फोन को बांग्लादेश तक भेज देता था, ताकि वे CEIR सिस्टम की पहुंच से बाहर रहें। विशेष रूप से Vivo, Oppo और Samsung ब्रांड के फोन की वहां ज्यादा मांग थी। चुंनाभट्टी पुलिस ने इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर 183 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कीमत करीब 30.48 लाख बताई गई।

पुलिस जांच में यह भी पता चला कि यह रैकेट करीब नौ महीने से सक्रिय था।

डकैती के मामले में बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले गिरफ्तार

गुजरात पुलिस ने लातूर से पकड़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गुजरात पुलिस ने सूरत में दर्ज डकैती के एक मामले में महाराष्ट्र पुलिस के बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले को लातूर से गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने रविवार रात रंजीत कासले को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल की शुरुआत में कासले को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल रंजीत कासले ने आरोप लगाया था कि उन्हें पिछले साल बीड सरपंच हत्याकांड के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड की हत्या की सुपारी दी गई थी।

सूरत के लुटेरों को मदद पहुंचाने का आरोप

कासले के खिलाफ सूरत के पास पाल पुलिस स्टेशन में डकैती का एक मामला दर्ज किया गया था। लातूर पुलिस की अपराध शाखा के निरीक्षक सुधाकर बावकर ने बताया कि गुजरात पुलिस की टीम लातूर पहुंची और रविवार रात लगभग 10:30 बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सूरत डकैती मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य संदिग्धों ने पूछताछ के दौरान कासले की कथित संलिप्तता के बारे में बताया कि किस तरह से कासले ने लुटेरों के गिरोह की मदद की थी।

वाल्मीक कराड की सुपारी की पेशकश का दावा

कासले पर लुटेरों को रसद और अन्य मदद पहुंचाने का आरोप है। कासले की गिरफ्तारी के लिए गुजरात पुलिस की एक टीम बीते कई दिनों से लातूर में डेरा डाले हुए थी और रविवार रात मौका मिलते ही उन्होंने कासले को पकड़ लिया। इस साल अप्रैल में, महाराष्ट्र की बीड पुलिस ने कासले को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत कथित तौर पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कासले ने यह भी सनसनीखेज दावा किया था कि पिछले साल दिसंबर में मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड की हत्या के लिए उसे मोटी रकम की पेशकश की गई थी।

कफ परेड में आग लगने से एक बच्चे की मौत, तीन घायल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के कफ परेड स्थित मच्छीमार नगर में सोमवार सुबह लगी आग ने भयावह रूप ले लिया। इस हादसे में 15 वर्षीय यश खोत की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तत्काल सेंट जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया। फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

इलेक्ट्रिक बैटरियों से फैली आग की आशंका

मुंबई नगर निगम के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारी के अनुसार, आग कैप्टन प्रकाश पेठे मार्ग स्थित एक चॉल में सुबह अचानक भड़क उठी। आग पहले इलेक्ट्रिक वाहनों की तीन बैटरियों में लगी और फिर बिजली के तारों, कनेक्शनों व घरेलू सामानों तक फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस और बेस्ट के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। आग से चार लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन डॉक्टरों ने यश खोत को मृत घोषित कर दिया।

घायलों की हालत और जांच जारी

घायलों में देवेंद्र चौधरी (30) की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। वहीं, विराज खोत (13) और संग्राम कुरने (25) की स्थिति स्थिर है। आग बुझाने के बाद कूलिंग ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का सटीक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, हालांकि प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों से शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स की कार्रवाई

एक यात्री के बैग से 10 करोड़ की ड्रग्स तो दूसरे से गोल्ड जब्त

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (CSMIA) पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में ड्रग्स और सोना बरामद किया है. इनकी कीमत करोड़ों रुपये में आंकी गई है. 19 और 20 अक्टूबर की दरमियानी ड्यूटी के दौरान ये जब्ती की गई।

ट्रॉली बैग में छिपाकर लाया करोड़ों की ड्रग्स

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स ज़ोन-III की टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका. फ्लाइट नंबर VZ760 से मुंबई उतरे इस यात्री के बैग की जब जांच की गई तो उसके अंदर से करीब 10.509 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) बरामद हुई. यात्री ने ड्रग्स को चेक-इन किए गए ट्रॉली बैग में चतुराई से छिपा रखा था. नशे की इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत करीब 10.50 करोड़ रुपये आंकी गई है. आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बांद्रा में बनेगा नया नर्सिंग कॉलेज

मुंबई। बांद्रा में एक और नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने की तैयारी में है। यह नया संस्थान भाभा अस्पताल, बांद्रा के प्रशासन के अधीन होगा।विधायक आशीष शेलार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक पत्र में क्षेत्र की बढ़ती स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिमी उपनगरों में एक नर्सिंग कॉलेज की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। शेलार के पत्र में कहा गया है, ₹बांद्रा पश्चिम में आरके पाटकर मार्ग पर स्थित पुराने बीएमसी कार्यालय के भूखंड का कुल क्षेत्रफल 2236 वर्ग मीटर है। रणनीतिक रूप से स्थित इस भूखंड का उपयोग डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों के लिए छात्रावासों और आवासों के साथ एक बीएमसी नर्सिंग कॉलेज बनाने के लिए किया जा सकता है।भाभा अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस योजना में पहले वर्ष में कम से कम 50 छात्रों को प्रवेश देने का प्रावधान है। अधिकारी ने कहा, चार मंजिला इमारत में नर्सिंग कॉलेज, कैंटीन, छात्रों के लिए छात्रावास और कर्मचारियों के आवास आराम से बनाए जा सकते हैं। चूँकि यह प्लॉट अस्पताल से सटा हुआ है, इसलिए कर्मचारियों का यात्रा समय भी कम होगा। यह जगह इतनी बड़ी है कि इसमें ये सभी सुविधाएँ एक विशाल लेआउट में उपलब्ध हैं।

कूपर अस्पताल में दवाओं की कमी

मरीज़ इलाज के लिए जूझ रहे, निजी तौर पर दवा खरीदने को मजबूर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शहर के प्रमुख नगरपालिका अस्पतालों में से एक, कूपर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दवाओं की भारी कमी के कारण मरीजों को बुनियादी इलाज के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। अस्पताल में आवश्यक दवाओं का स्टॉक खत्म हो गया है, जिससे मरीजों को निजी अस्पतालों या दवा दुकानों का रुख करना पड़ रहा है।

अस्पताल की फार्मेसियों में एंटीबायोटिक्स, कैल्शियम की गोलियां, दर्द निवारक और मानसिक रोग की दवाएं जैसी आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को इन्हें बाहर से खरीदना पड़ रहा है, जिससे गरीब तबके के लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

प्रतिदिन दो हजार से अधिक मरीजों को सेवा

जुहू-विले पार्ले क्षेत्र में स्थित यह अस्पताल प्रतिदिन 2,000 से अधिक मरीजों की सेवा करता है। अंधेरी, सांताक्रूज़, खार, बांद्रा, जोगेश्वरी और मलाड जैसे इलाकों से मरीज यहां इलाज कराने आते हैं। एयरपोर्ट और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे की निकटता के कारण, यह अस्पताल आपातकालीन सेवाओं में भी अहम भूमिका निभाता है।

प्रशासन ने कमी के आरोपों से किया इनकार

इस मुद्दे पर संपर्क करने पर, मेजर हॉस्पिटल्स की निदेशक और कूपर हॉस्पिटल की कार्यवाहक डीन डॉ. नीलम एंड्रेड ने दवाओं की कमी के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा, "अस्पताल में ऐसी कोई स्थिति नहीं है। हम मामले की दोबारा जांच कर रहे हैं।"

एंटी-रेबीज़ टीका भी नहीं, मरीजों को लौटाया गया

डीएन नगर निवासी गीता शर्मा ने बताया कि जब वह अपने बेटे के लिए एंटी-रेबीज़ इंजेक्शन लेने गईं, तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि टीका उपलब्ध नहीं है और उन्हें वीएन देसाई अस्पताल रेफर कर दिया गया। कई मरीजों ने यह भी शिकायत की कि अस्पताल स्टाफ उन्हें दस्ताने, सीरिंज और सुइयाँ तक निजी दुकानों से लाने के लिए कह रहे हैं। कूपर अस्पताल में दवाओं की कमी का सबसे ज़्यादा असर मनोरोग से पीड़ित मरीजों पर पड़ा है। जुहू गली निवासी बाबर शेख़ ने कहा, "मैं अपने भाई की मनोरोग संबंधी दवा के लिए बार-बार अस्पताल जा रहा हूँ, लेकिन हर बार यही जवाब मिलता है कि दवा खत्म हो गई है।"

आरपीएफ का ऑपरेशन अमानत

4 लाख 65 हजार रुपए मूल्य के कीमती सामान को सुरक्षित बरामद कर यात्रियों को लौटाया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को "ऑपरेशन अमानत" अभियान के तहत एक और बड़ी सफलता मिली है। हाल ही में दो अलग-अलग मामलों में आरपीएफ ने यात्रियों के करीब 4 लाख 65 हजार रुपये मूल्य के कीमती सामान को सुरक्षित बरामद कर उन्हें लौटाया। आरपीएफ की तत्परता और ईमानदारी ने यात्रियों के बीच रेलवे सुरक्षा बल पर भरोसा और मजबूत किया है।

अंधेरी स्टेशन पर यात्री का कीमती बैग मिला वापस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर की शाम भयंदर रेलवे स्टेशन पर स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने अंधेरी आरपीएफ को सूचित किया कि वसई पश्चिम निवासी स्नेह हर्ष देशमुख का काले रंग का बैग एसी लोकल ट्रेन में छूट गया है। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक ललित कुमार त्रिपाठी, मन्नू भाई सोलंकी और एमएसएफ सदस्य सिद्धेश्वर ने तुरंत कार्रवाई की और ट्रेन की तलाशी ली। बैग सुरक्षित बरामद किया गया, जिसमें एक लैपटॉप, आईफोन, सैमसंग मोबाइल, चार्जर और अन्य कीमती वस्तुएँ थीं, जिनकी कुल कीमत लगभग 3 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई। यह बैग यात्री को सुरक्षित लौटा दिया गया।

वडाला निवासी का बैग भी सुरक्षित बरामद

इसी अभियान के तहत एक अन्य मामले में वडाला निवासी भरत हर्षवर्धन कोराट का बैग ट्रेन में छूट गया था। आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से वह भी सुरक्षित मिला, जिसमें मोबाइल फोन, घड़ी और नकद राशि समेत कुल 1 लाख 25 हजार रुपये का सामान था।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
टेलीफोन नंबर 022-66405250, ई-मेल - eee.east1@gmail.com
संदर्भ संख्या: EE/East/MSIB / etender/64/2025-26

ई-निविदा सूचना संख्या 64

कार्यकारी अभियंता (पूर्व) विभाग, मुंबई झुग्गी सुधार बोर्ड, (MHADA की इकाई) रूम नंबर 536, चौथी मंज़िल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई 400 051 फ़ोन नंबर (022) 66405251, रजिस्टर्ड कॉन्ट्रैक्टर से B1 (परसेंटेज रेट) के रूप में 20 कामों के लिए ओपन/रेगुलर ई-टेंडर मंगा रहे हैं। यह निविदा संबंधित सही क्लास के कॉन्ट्रैक्टर या किसी सरकारी/सेमी सरकारी ऑर्गनाइज़ेशन से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग सिस्टम के ज़रिए मंगाया जाएगा। डिटेल्ड निविदा सूचना और निविदा डॉक्यूमेंट्स महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in से उपलब्ध होंगे और डाउनलोड किए जा सकते हैं, बिडिंग डॉक्यूमेंट्स वेबसाइट पर लोड किए जा सकते हैं। निविदा डॉक्यूमेंट की बिक्री 27/10/2025, सुबह 10.30 बजे से शुरू होकर 03/11/2025, शाम 6.15 बजे तक चलेगी। अगर कोई सुधार/अमेंडमेंट्स हैं, तो वे सिर्फ़ https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर पब्लिश किए जा सकते हैं। कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी टेंडर को रिजेक्ट करने का अधिकार है। कंडीशनल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/825

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
M.S.I.B. बोर्ड, मुंबई

संपादकीय

पर्व की अस्मिता

उल्लास-उमंग के साथ राष्ट्र की आर्थिकी को नई ऊर्जा देने वाला त्योहार दीपावली सही मायने में सादगी व उजाले का त्योहार है। महानगरीय जीवन की एकरसता व तनाव से मुक्ति दिलाने वाली पर्व श्रृंखला के जहां आध्यात्मिक-धार्मिक मायने हैं, वहीं ये पर्व हमें नई ऊर्जा से भर देते हैं। हमारे रिश्तों को नई ऊष्मा देते हैं। एक मायने में लक्ष्मी हर छोटे-बड़े काम-धंधे से लेकर उद्योगों में इस पर्व के दौरान आती है। समृद्धि की रोशनी श्रम और सकारात्मक जीवन व्यवहार से आती है। लेकिन हाल के वर्षों में हमारी जीवन शैली और कार्य संस्कृति में व्यापक बदलाव आए हैं। जीवन व्यवहार में कृत्रिमता और दिखावे की संस्कृति का बोलबाला हुआ, जिसकी गहरी छाया हमारे पर्व-त्योहारों पर भी नजर आई है। भारत पर्व-त्योहारों का देश हैं, जिनके गहरे निहितार्थ हैं। ये पर्व-त्योहार हमारे ऋतु चक्र से जुड़े हैं, जिसका आधार हमारी किसानी संस्कृति है। वर्षा ऋतु से जीवन में आई नीरसता व इसके प्रतिकूल प्रभावों से मुक्ति की राह दिखाती है पर्व श्रृंखला। लेकिन हमें सही मायने में पर्व का मर्म समझना चाहिए। सादगी, सात्विकता और इसके आध्यात्मिक पक्ष के गहरे निहितार्थों की हमें अनदेखी नहीं करनी चाहिए। लेकिन हाल के वर्षों में यह त्योहार दिखावे व धन के भौंडे प्रदर्शन का सबब बनता जा रहा है। इस पर्व का असली मकसद यही है कि गरीबी की देहरी पर भी उजाला हो। प्रकाश का ही नहीं, समृद्धि का भी। उसमें समाज की बड़ी भागेदारी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में इस पर्व के मर्म के विपरीत कृत्रिमता, दिखावा, परंपरा के सतही विकल्प और औपचारिकताओं ने गहरी पैठ बना ली है। बाजार इतना हावी है कि वह दिवाली की पूजा आपको ऑनलाइन उपलब्ध करा सकता था। दीया-बाती, फूलों की सजावट, मूर्तियों, सरसों के तेल, पटाखों से लेकर तमाम त्योहार में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के हमने नये-नये कृत्रिम विकल्प तलाश लिये हैं। विडंबना देखिए कि देवी-देवताओं की मूर्तियों से लेकर बिजली की झालरें तक चीन से आने लगी। लगाते रहें आप स्वदेशी का नारा, लोगों को फर्क नहीं पड़ता कि दोनों देशों में व्यापार संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। पहले घरों में तरह-तरह के पकवान बनते थे ताकि परिवार व मित्रों को पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक मिठाई मिल सके। जबरदस्ती लक्ष्मी को घर बुलाने वाले लोगों की मिठाई की दुकानों में मिलावट व गुणवत्ता से समझौते करने की शिकायत पर प्रशासन की कार्रवाई की खबरें आ रही हैं। शहरी जीवन में दुधारू पशु बहुत कम दिखते हैं लेकिन दूध-पनीर-मावा जितना चाहे ले लो। मिठाइयों में कृत्रिम रंगों व चीनी की भरमार है, जिसके चलते भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उजाले व मेल-मिलाप के इस त्योहार पर गिफ्ट संस्कृति की गहरी छाया नजर आती है। त्योहार नहीं लोगों के विभिन्न संकीर्ण लक्ष्य इसके जरिये साधे जाते हैं। प्रभावशाली अधिकारियों, मंत्रियों व नौकरशाहों को साधने का यह अचूक मंत्र बना हुआ है। वे भूल जाते हैं कि ये कुर्सी को सलाम है, पर्व का मर्म नहीं। रिश्ते नाते भी अब तो गिफ्ट के बोझ तले दबे नजर आते हैं।

उजास को अंधेरे से मुक्त करने की आस

मधुसूदन शर्मा

जन्माष्टमी के बाद देश में पर्वों की जो श्रृंखला शुरू होती है, वह भारतीय जनमानस में नए उत्साह व ऊर्जा का संचार करने लगती है। मानसूनी मौसम में जो उदासीनता, शिथिलता तन-मन पर हावी होती है, उससे लोग उबरने लगते हैं। वैसे अब तो मानसून डराने भी लगा है। अतिवृष्टि व बादल फटने की घटनाएं मानसूनी फुहारों के बीच अब भय की प्रतीक बनने लगी हैं। वर्षा ऋतु में वातावरण में एक उदासीनता–एकरसता पैदा होती है। पर्व श्रृंखला उस उदासी व एकरसता को तोड़ती है।

पितरों के स्मरण के श्राद्ध के बाद जब रामलीलाओं का आयोजन होने लगता है, तो देश का वातावरण बदलने लगता है। सुहानी ठंड की दस्तक के बीच वातावरण में नई ऊर्जा का संचार होने लगता है। साथ ही नवरात्र समाज में व्रत-संकल्प के ज़रिए जीवन में एक नई उल्लास की लहर ले आते हैं। आज़ादी के आंदोलन में भारतीय समाज को एकता के सूत्र में पिरोने वाला गणेश उत्सव आज भी समाज को जोड़ता है। फिर दशहरा उद्घोष करता है कि दिवाली में कुछ दिन बाकी हैं। पश्चिम बंगाल में विशिष्ट और शेष देश में फिर दुर्गा पूजा की धूम होती है।

नवरात्र बेटियों के सम्मान का पर्व तो करवाचौथ भारतीय पारिवारिक संस्था में त्याग, समर्पण और रिश्तों में मिठास के उत्सव में बदल जाता है। भले ही सोशल मीडिया के दौर में करवाचौथ को लेकर तरह-तरह के मीम बनते हैं, लेकिन पतियों के लंबे, सुखी जीवन के लिए रखा गया निर्जल व्रत निश्चित ही भारतीय पारिवारिक संस्था की खूबसूरती है।

फिर पांच पर्वों की श्रृंखला में दिवाली की दस्तक जैसे पूरे भारतीय समाज को आलोड़ित कर देती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में एक धनात्मक तूफान जैसा उठता है। इस बार धनतेरस पर एक लाख करोड़ रुपये की ख़रीदारी इसका जीवंत उदाहरण है। हर भारतीय इस पर्व के आगमन की तैयारी में जुटता है। कुम्हार से लेकर पटाखे वाले, खील-पताशे वाले तक, इस पर्व में साल भर की कमाई की उम्मीद करते हैं। दिया-बाती, मोमबत्ती, अगरबत्ती, पटाखे, खील-बतासे, मूर्तियां, मिठाई बनाने वाले महीनों की तैयारी के बाद इस त्योहार को साल भर की कमाई के स्रोत के रूप में देखते हैं।

यह तबका, जो बूंद-बूंद से घड़ा भरने के विश्वास से अपनी जीविका का उपार्जन करता है, बहुत कम लाभ के साथ हाड़तोड़ मेहनत करता है। देश का बड़ा तबका इस श्रमसाध्य कार्य में लगा होता है, वह भी श्रद्धा और विश्वास से। जिसमें हिंदू ही नहीं, बड़ी संख्या में मुस्लिम भी इस काम में लगे रहते हैं। भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति की एक अनूठी मिसाल जीवंत हो उठती है।

दिवाली के बाजार में अब ऐसे मुनाफाखोरों की भरमार है, जो श्रमप्रधान समाज की भावना से खिलवाड़ कर रहे हैं। वे लुभावनी स्कीमों, छूट और प्रलोभनों से उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रातों-रात अमीर बनने की लालसा में यह वर्ग जीवन-मूल्यों की अनदेखी करता है। ऑनलाइन जुए से लेकर रियल एस्टेट तक, हर क्षेत्र में उनका वर्चस्व बढ़ा है और लालच की यह प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है।

पर्व का मर्म है कि हर घर तक उजाला पहुंचे—उस गरीब की देहरी तक भी, जिसके दरवाजे पर उजाले ने अभी तक दस्तक नहीं दी। इस पर्व में हम यह नहीं देखते कि सिर्फ हमारे घर में ही उजाला हो, पड़ोसी के अंधेरे की भी हमें फिक्र होनी चाहिए। सही मायनों में हमारे पर्व समाज में एक सेफ्टी वॉल का काम करते हैं। हमारी तनावभरी व भागमभाग की जीवनशैली में इतनी स्पर्धा व तनाव है कि हम सहज जीवन जीते हुए तनावमुक्त ही नहीं हो पाते। उजाले का पर्व दिवाली हमसे कहता है कि हम वंचित समाज के जीवन में अंधेरे को दूर करें। ऐसे लोग, जो जीवन के उजाले से वंचित हैं, उनकी मदद करें। सही मायनों में देने का सुख, लेने के सुख से बड़ा होना चाहिए। हम उन लोगों की मदद करें जो उजाले के संघर्ष में पिछड़ गए हैं।

दरअसल, कोई व्यक्ति खुद गरीब नहीं होना चाहता। उसके जीवन की परिस्थितियां उसे गरीब बनाती हैं। इसमें प्राकृतिक आपदाएं बड़ी भूमिका निभाती हैं। हाल के मानसून में आई बाढ़ और भूस्खलन ने लाखों लोगों के घर-बार बहाकर उन्हें बेघर कर दिया। किसी परिवार में कमाने वाले सदस्य के चले जाने से पूरा परिवार गरीबी की दलदल में चला जाता है। पर्व-त्योहार कहते हैं कि हम ज़मीन से उखड़े लोगों के जीवन का अंधकार दूर करें। उनके साथ मिलकर त्योहार मना कर पर्व को सार्थक करें।

हम अजीब मनःस्थिति में जीते हैं। हम सब्जी वाले, रिक्शा वाले और दिवाली के छोटे-छोटे सामान, यहां तक कि दीये बेचने वाले के साथ कीमत को लेकर भाव-तौल करते रहते हैं। यह नहीं सोचते कि उसके सामान बेचने में मुनाफे का मार्जिन कितना कम है, कैसे वह अपना व परिवार का खर्चा चला रहा है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि उसे उम्मीदों से अधिक दाम देकर चीज़ खरीदें, ताकि वह अपना त्योहार खुशी-खुशी मना सके। यदि हम एक भी व्यक्ति का त्योहार खुशमय बना सकें, तो हमारा त्योहार मनाना सार्थक हो सकता है।

जीवन मंत्र

किसी का असली चरित्र उसकी दूसरों की बुराई में दिखता है

व्यक्तित्व को समझने का सबसे सरल तरीका है उसके शब्दों और बातचीत पर ध्यान देना, खासकर जब वह दूसरों के बारे में राय व्यक्त कर रहा हो। यह कथन हमें यह भी सिखाता है कि दूसरों की आलोचना या बुराई सुनकर हम केवल उस व्यक्ति के प्रति सतर्क नहीं होते, बल्कि अपनी सोच में भी सुधार ला सकते हैं।

जीवन में चरित्र और व्यक्तित्व को समझने का एक गहरा संदेश देती है। अक्सर लोग अपने व्यवहार और शब्दों से ही अपनी असली सोच और मानसिकता का प्रदर्शन करते हैं। जब कोई व्यक्ति दूसरों की बुराई करता है, तो यह केवल दूसरों के दोषों को उजागर करने का प्रयास नहीं होता, बल्कि उसकी खुद की सोच, नैतिक मूल्य और चरित्र की झलक भी सामने आती है। यह हमारे लिए संकेत होता है कि वह व्यक्ति कैसे सोचता है, उसके मन में दूसरों के प्रति कैसा भाव है और उसके मूल्यों में ईमानदारी और संवेदनशीलता कितनी है।

दूसरों की बुराई करने वाले लोग अक्सर अपने आप को श्रेष्ठ दिखाने या सामाजिक स्थिति बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसा करते हैं। उनकी बातें सुनकर यह समझा जा सकता है कि उनके मन में ईर्ष्या, घमंड या लालच कितना है। वहीं, जो व्यक्ति दूसरों की बुराई नहीं करता, बल्कि सकारात्मकता और सहानुभूति के साथ व्यवहार करता है, उसका चरित्र भी साफ और भरोसेमंद होता है। इसलिए किसी के

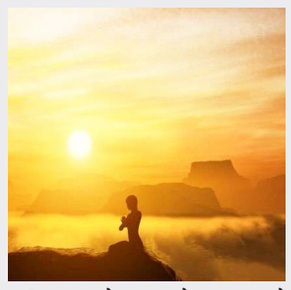

व्यक्तित्व को समझने का सबसे सरल तरीका है उसके शब्दों और बातचीत पर ध्यान देना, खासकर जब वह दूसरों के बारे में राय व्यक्त कर रहा हो। यह कथन हमें यह भी सिखाता है कि दूसरों की आलोचना या बुराई सुनकर हम केवल उस व्यक्ति के प्रति सतर्क नहीं होते, बल्कि अपनी सोच में भी सुधार ला सकते हैं। कभी-कभी लोग अपनी असुरक्षा या स्वार्थपूर्ण दृष्टिकोण के कारण दूसरों की बुराई करते हैं। ऐसे में, यदि हम ध्यान से सुनें, तो न केवल उनका चरित्र समझ सकते हैं, बल्कि यह भी सीख सकते हैं कि हम स्वयं ऐसे व्यवहार से कैसे बचें और सकारात्मक सोच को अपनाएं। साथ ही, दूसरों की बुराई सुनना हमें यह चेतावनी भी देता है कि उन लोगों के प्रति विश्वास करने से पहले हमें सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। बहुत से लोग मुखर रूप से दोस्ताना और मिलनसार दिख सकते हैं, लेकिन उनकी बातें जब दूसरों की निंदा में बदलती हैं, तो उनकी वास्तविक प्रवृत्ति सामने आ जाती है। यह हमें जीवन में सतर्क बनाता है कि किसी पर तुरंत भरोसा करना और केवल दिखावे पर विश्वास करना उचित नहीं है।

अंत में, यह कहावत हमें सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन दोनों में एक महत्वपूर्ण सबक देती है।

शख्सियत

शम्मी कपूर

बॉलीवुड के हीरो और स्टाइल आइकन

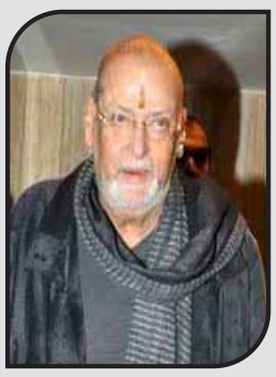

शम्मी कपूर का जन्म 21 अक्टूबर 1931 को बंबई (वर्तमान मुंबई) में हुआ। वे हिन्दी फिल्मों के एक बेहद लोकप्रिय अभिनेता थे, जिनकी अदाकारी और चार्म ने पूरे देश में लाखों दिलों पर अपना प्रभाव छोड़ा। शम्मी कपूर का जन्म एक अभिनेता परिवार में हुआ, उनके पिता पृथ्वीराज कपूर भी जाने-माने अभिनेता थे। अभिनय और फिल्मी दुनिया का हुनर उन्हें विरासत में मिला।

शम्मी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत साल 1953 में रिलीज हुई फिल्म जीवन ज्योति से की। इस फिल्म से ही उन्होंने बॉलीवुड में अपने कदम जमाए। उनके शुरुआती करियर की अन्य फिल्मों में रेल का डिब्बा और गुल सनोवर जैसी फिल्में शामिल थीं। इन प्रारंभिक फिल्मों में उन्हें मुख्य अभिनेता के रूप में देखा गया, जिन्होंने दर्शकों के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ाने में मदद की। शम्मी कपूर की फिल्मी यात्रा में उन्होंने मुख्य भूमिका में 50 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया, जबकि सहायक भूमिकाओं में उन्होंने 20 से अधिक फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा। उनकी फिल्मों की सूची में जंगली, तुमसा नहीं देखा, दिल देके देखो, सिंगापुर, कॉलेज गर्ल, प्रोफेसर, चाइना टाउन, प्यार किया तो डरना क्या, कश्मीर की कली, जानवर, तीसरी मंज़िल, अंदाज़, एन ईवनिंग इन पेरिस, ब्रह्मचारी और सच्चाई जैसी हिट फिल्में शामिल हैं। शम्मी कपूर ने अपने अभिनय, नृत्य और स्टाइल से भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई।

उनकी अदाकारी में जो ऊर्जा और उत्साह था, वह उन्हें युवा दर्शकों के बीच खास बनाता था। शम्मी कपूर की खासियत उनकी उत्साही स्टाइल, ऊर्जावान डांस मूव्स और रोमांटिक छवि थी, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा का सबसे पसंदीदा हीरो बना दिया। उनके फैन उनके न केवल अभिनय बल्कि उनके व्यक्तित्व और चार्म के दीवाने थे।

शम्मी कपूर का व्यक्तिगत जीवन भी काफी चर्चित रहा। उनकी पहली शादी अभिनेत्री गीता बाली से हुई थी। हालांकि दुर्भाग्यवश 1965 में गीता बाली की चेचक के कारण मृत्यु हो गई। इसके बाद शम्मी कपूर ने नीला देवी से शादी की और अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिताया।

उनके करियर को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। फिल्म ब्रह्मचारी में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। शम्मी कपूर ने अपने लंबे करियर में सैकड़ों गीतों और दृश्य अभिनय के माध्यम से भारतीय फिल्म उद्योग में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

शम्मी कपूर का निधन 14 अगस्त 2011 को सुबह 5:15 बजे हुआ। उनकी उम्र 79 वर्ष थी। वे भारतीय सिनेमा के उन सितारों में से एक थे, जिनकी फिल्मों, स्टाइल और अदाकारी की यादें आज भी दर्शकों के दिलों में जीवित हैं। शम्मी कपूर केवल एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि एक स्टाइल आइकन, रोमांटिक हीरो और ऊर्जा से भरपूर कलाकार थे, जिन्होंने बॉलीवुड को अनगिनत हिट फिल्में और अविस्मरणीय यादें दीं।

उनका योगदान भारतीय फिल्म उद्योग के लिए सदैव यादगार रहेगा और उनकी फिल्में आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। शम्मी कपूर ने न केवल अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाया, बल्कि उन्होंने अपने व्यक्तित्व, नृत्य और फिल्मी शैली से एक नए युग का मार्ग भी प्रशस्त किया।

जीवन ऊर्जा

सैम्युअल टेलर कॉलरिज : जन्म- 21 अक्टूबर 1772

जन्म

जिसमें हास्य की भावना नहीं, उसका मस्तिष्क पूरी तरह व्यवस्थित नहीं होता

सैम्युअल टेलर कॉलरिज (जन्म 21 अक्टूबर 1772 -मृत्यु 25 जुलाई 1834) एक अंग्रेज़ कवि, दार्शनिक व रोमांस लेखक थे जिन्होंने अपने मित्र विलियम वड्र्सवर्थ के साथ मिलकर इंग्लैण्ड में रोमांस आन्दोलन की शुरुआत की और 'लेक पोएट्स' की स्थापना की थी। वे अपनी कविताओं द राइम ऑफ़ द एन्शियंट मैरिनर और कुबला खान के लिए जाने जाते है।

हास्य सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और बुद्धिमत्ता का एक महत्वपूर्ण संकेत है। जो व्यक्ति जीवन की कठिनाइयों और तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी हँसी और हल्के-फुल्के नजरिए को अपनाने में सक्षम होता है, वह मानसिक रूप से अधिक संतुलित और सुव्यवस्थित होता है। हास्य की भावना मस्तिष्क को लचीला बनाती है और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है। हास्य की क्षमता हमारे सोचने और समझने की शक्ति को भी बढ़ाती है। हास्य किसी भी जटिल स्थिति में समाधान खोजने की मानसिक तैयारी कराता है। जब हम किसी परिस्थिति में हँसी खोज पाते हैं, तो हम भावनात्मक रूप से उससे अलग

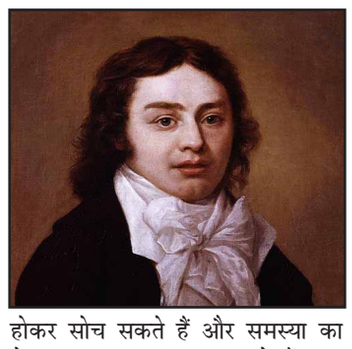

होकर सोच सकते हैं और समस्या का बेहतर समाधान निकाल सकते हैं। इस प्रकार हास्य का होना केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क की व्यावहारिकता, बुद्धिमत्ता और तार्किक क्षमता का भी प्रतीक है।

इसके अलावा, हास्य हमारी सामाजिक और भावनात्मक समझ को भी सुधारता है। हँसने और दूसरों को हँसाने की क्षमता से व्यक्ति सहानुभूति, संवेदनशीलता और सामाजिक बुद्धिमत्ता विकसित करता है। जो व्यक्ति हास्य की भावना रखता है, वह सामाजिक परिस्थितियों में अधिक सहज और मिलनसार होता है। यह गुण न केवल व्यक्तिगत जीवन को आसान बनाता है, बल्कि पेशेवर और सामाजिक जीवन में भी सफलता दिलाने में मदद करता है।

अंततः, यह कहावत यह भी सिखाती है कि किसी के मस्तिष्क की सुव्यवस्था केवल ज्ञान या अनुभव से नहीं मापी जा सकती।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भागवत कथा सुनने से आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है

महात्मा गोकर्ण जी ने महाप्रेत धुंधुकारी के उद्धार के लिए श्रीमद्भागवत की कथा सुनायी थी तब धुंधुकारी के बैठने के लिए कोई बांस की अलग से व्यवस्था नहीं की थी, बल्कि उसके बैठने के लिए एक सामान्य आसन ही बिछाया गया था। महात्मा गोकर्ण जी ने धुंधुकारी का आह्वान किया और कहा भैया धुंधुकारी आप जहाँ कहीं भी हों आकरके इस आसन पर बैठ जाईए। यह भागवत जी की परम् पवित्र कथा विशेषकर तेरे लिए ही हो रही है। इसको सुनकर तुम इस प्रेत योनि से मुक्त हो जाओगे। अब धुंधुकारी का कोई शरीर तो था नहीं। जो आसन पर स्थिर रहकर भागवत जी की कथा सुन पाते। वह जब जब आसन पर बैठने लगता हवा का कोई झोंका आता और उसे कहीं दूर उड़ाकर ले जाता। ऐसा उसके साथ बार-बार हुआ।

वह सोचने लगा कि ऐसा क्या किया जाये कि मुझे हवा उड़ा ना पाए और मैं सात दिन तक एक स्थान पर बैठकर भागवत जी की मंगलमयी कथा सुन पाऊँ। जिससे मेरा उद्धार हो जाये और मेरी मुक्ति हो जाये। वह सोचने लगा कि मेरे तो अब माता-पिता भी नहीं हैं, जिनके भीतर प्रवेश करके या उनके माध्यम से मैं कथा सुन पाता वो भी मेरे ही कारण मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं। मेरे परिवार का तो कोई सदस्य भी नहीं बचा, जिनके माध्यम से मैं भागवत जी की मोक्षदायिनी कथा सुन पाऊँ।

अब तो सिर्फ मेरे सौतेले भाई महात्मा गोकर्ण ही बचे हैं, जिनका जन्म गऊ माता के गर्भ से हुआ है, लेकिन उनके अन्दर मैं कैसे प्रवेश कर सकता हूँ। क्योंकि वो तो पवित्र व्यास पीठ पर बैठकर मुझे परमात्मा की अमृतमयी कथा सुनाने के लिए उपस्थित हैं। वह धुंधुकारी महाप्रेत ऐसा विचार कर ही रहा था कि उसने देखा जहाँ व्यास मंच बना हुआ है। वहाँ बांस का एक बगीचा भी है और उसकी नजर एक सात पोरी के बांस पर पड़ी। यह सोचकर कि बांस में हवा का प्रकोप नहीं होगा। सो वह बांस के अन्दर प्रवेश कर गया और बांस की पहली पोरी में जाकर बैठ गया।

पहले दिन की कथा के प्रभाव से बांस की पहली पोरी चटक गयी। धुंधुकारी दूसरी पोरी में जाकर बैठ गया। दूसरे दिन की कथा के प्रभाव से दूसरी पोरी चटक गयी। धुंधुकारी तीसरी पोरी में जाकर बैठ गया। ऐसे ही प्रतिदिन की कथा के प्रभाव से क्रमशः बांस की एक-एक पोरी चटकती चली गयी। और जब अन्तिम सातवें दिन की कथा चल रही थी तो धुंधुकारी महाप्रेत भी अन्तिम सातवीं पोरी में ही बैठा हुआ था। अब जैसे ही अन्तिम सातवें दिन भागवत जी की कथा का पूर्ण विश्राम हुआ तो बांस बीच में से दो फाड़ हो गया और धुंधुकारी महाप्रेत देवताओं के समान शरीर धारण करके प्रकट हो गया। उसने हाथ जोड़कर बड़े ही विनय भाव से महात्मा गोकर्ण जी का धन्यवाद किया और कहा भैया जी मैं आपका शुक्रिया किन शब्दों में करुँ। मेरे पास तो शब्द भी नहीं हैं आपने जो परमात्मा की मंगलमयी पवित्र कथा सुनाई देखो उस महाभयंकर महाप्रेत योनि से मैं मुक्त हो गया हूँ। और मुझे अब देव योनि प्राप्त हो गयी है आपको मेरा बारंबार प्रणाम तभी सबके देखते-देखते धुंधुकारी के लिए भगवान के धाम से सुन्दर विमान आया और धुंधुकारी विमान में बैठकर भगवान के धाम को चले गए। सही मायने में सात पोरी का बांस और कुछ नहीं हमारा अपना शरीर ही है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

अपने विचार

पूरी दुनिया में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर जगमगा उठते हैं, और यह सिलसिला महीनों तक चलता है। हमें उनसे सीखना चाहिए। हमें दीयों और मोमबत्ती पर क्यों खर्च करना? इसे हटा देना चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो बहुत सुंदर रोशनी कराएंगे।'

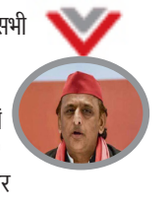

-अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

दीपोत्सव महापर्व पर समस्त देशवासियों को बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आइये हम सब दीप जलाए, लेकिन ध्यान रहे पड़ोसी के यहां भी दीप जले यह भी सुनिश्चित करे। आइये हम पूजन व और सम्मान करे। असली गृह लक्ष्मी (गृहणी) जो सही मायने में ताउम्र घर को साफ-सुथरा सुंदर-सुघर और स्वर्ग बनाती हैं।

-स्वामी प्रसाद मौर्य, अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नरेन्द्र मोदी जी ने आपको फ्री में राशन दिया है बीजेपी को वोट देकर आपको यह कर्ज अपना अदा करना है।

-मायावती, बहुजन समाज पार्टी, अध्यक्ष

बीजेपी और जेडीयू के बीच जुड़वा भाई का संबंध है। जुड़वा भाई दोनों बराबर हो गए। बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड सबसे लंबे समय से गठबंधन वाली पार्टी है। 1996 से दोनों दल साथ हैं।

-सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री, बिहार

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने किया राजमाता जिजाऊ उद्यान का उद्घाटन

ठाणे। ठाणे शहर में पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न अवधारणाओं पर आधारित पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक, राजमाता जिजाऊ उद्यान (ऑक्सीजन पार्क) का सोमवार को भव्य उद्घाटन हुआ। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसका लोकार्पण किया और कहा कि ऐसे पार्कों के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मानपाड़ा स्थित हाइड पार्क के सामने बने इस उद्यान के उद्घाटन समारोह में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के, पूर्व विधायक रवींद्र फाटक, पूर्व महापौर हरिश्चंद्र पाटिल और मनपा आयुक्त सौरभ राव उपस्थित थे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने पार्क का निरीक्षण किया और औषधीय पौधों, पेड़ों तथा नागरिकों के लिए बनाई गई सुविधाओं का अवलोकन किया।

ठाणे का बदलता स्वरूप

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि ठाणे तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। मेट्रो का पहला चरण दिसंबर तक शुरू होगा। सड़कों का चौड़ीकरण, रिंग मेट्रो, फ्रीवे और सबवे जैसी परियोजनाएँ शहर को 'हरित और विकसित ठाणे' की पहचान दिला रही हैं। हरित ठाणे अभियान के तहत अब तक दो लाख से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं।

शिंदे ने सुझाव दिया कि ठाणे मनपा के स्कूलों में प्रत्येक छात्र को कम से कम दो पेड़ लगाने और उनका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मनपा के उद्यान अधीक्षक केदार पाटिल की विशेष प्रशंसा की, जिन्होंने इस उद्यान का कार्य समय पर पूरा कराया।

औषधीय पौधों से भरपूर हरियाली

पार्क में प्रवेश करते ही हवा में शुद्धता का अनुभव होता है। यहाँ लगाए गए औषधीय पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त कर लोगों को यह महसूस होता है कि नियमित रूप से यहाँ टहलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि यह ऑक्सीजन पार्क नागरिकों को रोगों से मुक्ति दिलाने में मदद करेगा।

शिंदे ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण बारिश के पैटर्न में बदलाव देखा जा रहा है, जिससे मराठवाड़ा के किसान संकट में हैं। राज्य सरकार उनकी मदद के लिए तत्पर है। साथ ही, उन्होंने नागरिकों से भी पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की।

आयुक्त सौरभ राव ने साझा की परियोजना की जानकारी

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि यह उद्यान साढ़े तीन एकड़ भूमि में एक नई अवधारणा पर बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने इसके पुनर्विकास के लिए 4 करोड़ रुपये की निधि दी थी। कुछ ही महीनों में निर्माण पूरा कर इसे जनता को समर्पित किया गया।

'राजमाता जिजाऊ ऑक्सीजन पार्क' में लगभग 15,000 औषधीय व सजावटी पौधे लगाए गए हैं जिनमें गुड़मार, हल्दी, सिट्रोनेला, कपूर, बेल, रुद्राक्ष और गुलवेल जैसी 100 से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं।

सफाईकर्मियों के साथ विधायक केलकर ने सादगी से मनाई दीवाली

मुंबई। ठाणे के विधायक संजय केलकर के 'संजय फाउंडेशन' द्वारा दादोजी कोंडदेव स्टेडियम स्थित कामगार पेटी क्रमांक 1 में 'एक फराल सफाई कामगार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लगातार आठवें वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर ए. केलकर ने सफाई कर्मचारियों के साथ फराल का आनंद लिया, उनसे बातचीत की और उन्हें दिवाली व नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की वकालत

विधायक केलकर ने कहा कि सफाई कर्मचारी समाज के सबसे महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर उपेक्षित वर्ग हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे उनके अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समान वेतन, वेतनवृद्धि, बेहतर सुविधाएँ और उत्तराधिकार अधिकार जैसे मुद्दों पर सफाई कर्मचारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों को सम्मान और सुरक्षा मिलना उनका अधिकार है।

सम्मान और सहयोग की मिसाल

सफाई कर्मचारियों ने विधायक केलकर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन पर गुलाब की पंखुड़ियाँ बरसाईं। यह कार्यक्रम संजय फाउंडेशन के माध्यम से विशाल वाघ और श्रीमती उषा विशाल वाघ द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन नीलेश कोली ने किया। इस अवसर पर परिवहन सदस्य विकास पाटिल, रक्षा यादव, दिलीप शाह, स्टेशन अधिकारी पुरी, रणदिवे और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

प्रधान सचिव को राज्य के सभी मंडलों में 3 सदस्यों की उच्च स्तरीय समिति बनाने का निर्देश

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य भर के अनुदानित और गैर-अनुदानित निजी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति में अनियमितता को लेकर शिक्षा एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव को राज्य के सभी मंडलों में 3 सदस्यों की उच्च स्तरीय समिति बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने समिति में प्रत्येक मंडल के वरिष्ठतम उप निदेशक को अध्यक्ष बनाने और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल करने को कहा है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार आदेश से 6 महीने की अवधि के भीतर एक पूर्णतः विश्वसनीय एसओपी प्रस्तुत किया जाए। इसे 15 मार्च 2026 को या उससे पहले तैयार किया जाएगा। निर्देशों के अनुपालन की सूचना 23 मार्च 2026 को अदालत को दी जाएगी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अश्विन भोबे की पीठ ने रायगढ़ के पाली स्थित सुधागढ़ तहसील की सुधागढ़ एजुकेशन सोसाइटी और आत्मोन्नति विद्यामंदिर एवं जूनियर कॉलेज सहित तीन अध्यापकों की याचिका पर कहा कि याचिकाकर्ता सुधागड एजुकेशन सोसाइटी द्वारा पवित्र पोर्टल भर्ती प्रणाली के माध्यम से एक भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की है।

ऐसी कई शिक्षा सोसाइटियां होंगी, जिन्होंने इस प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की होगी। पीठ ने कहा कि हम स्कूल शिक्षा एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव को निर्देश देते हैं कि वे महाराष्ट्र के प्रत्येक मंडल के लिए कम से कम 3 सदस्यों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करें, जिसमें उस मंडल के एक वरिष्ठतम उप निदेशक शिक्षा को अध्यक्ष के रूप में शामिल किया जाए। इसमें शिक्षा विभाग के ऐसे अन्य अधिकारी भी शामिल हों, जो उस मंडल के शिक्षा अधिकारी के पद से नीचे के न हों। पीठ ने कहा कि ऐसी समितियां संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक संस्थानों, सोसायटियों और प्रबंधन का निरीक्षण करेंगी। वे उस विभाग के प्रमुख सचिव को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी, जो दोषी संस्थानों के खिलाफ उचित सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करेंगे। इसमें ऐसे मामले जिनमें उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने अनुमोदन प्रदान करने के आदेश पारित किए हों, वे शामिल नहीं होंगे।

मध्य रेलवे ने तीन युवकों की ट्रेन से गिरने की खबरों का किया खंडन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे ने हाल ही में फैल रही खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि कर्मभूमि एक्सप्रेस से तीन युवक गिर गए। रेलवे ने साफ किया कि ये लोग ट्रेन में नहीं थे, बल्कि नासिक और ओढ़ा के बीच रेलवे ट्रैक पर अतिक्रमण कर रहे थे। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया पर रेलवे की आलोचना की थी, जिसमें उन्होंने त्योहारी सीजन के दौरान चलाई गई 12,000 विशेष ट्रेनों के प्रबंधन पर सवाल उठाए थे। इसके बाद रेलवे ने मामले की स्पष्टता के लिए बयान जारी किया।

पीड़ितों की स्थिति और शराब का सेवन

मध्य रेलवे ने बताया कि तीनों व्यक्ति मुंबई-रक्सौल कर्मभूमि एक्सप्रेस के यात्री नहीं थे। दुर्घटना से पहले उन्होंने शराब का सेवन किया था। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि घटना के समय ये लोग ट्रैक पर अतिक्रमण कर रहे थे, न कि ट्रेन में सवार थे। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) स्वप्निल नीला ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात नासिक और ओढ़ा के बीच हुई। ट्रेन चालक ने देखा कि तीन लोग पटरी के किनारे गिर गए थे, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्टेशन कर्मचारियों को तुरंत सूचना दी गई।

अस्पताल में इलाज और मृतकों की पुष्टि

सूचना मिलने पर तीनों को पास के अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक का इलाज जारी है। इस घटना ने स्थानीय रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीपीआरओ ने बताया कि पीड़ितों में से एक का आधार कार्ड बरामद हुआ, जिससे उनकी पहचान गुजरात के दाहोद निवासी के रूप में हुई। घायल व्यक्ति ने पुष्टि की कि उनका समूह शिरडी दर्शन के लिए गया था और नासिक लौटते समय उन्होंने ट्रैक पार करने से पहले शराब पी थी।

बच्चू कडू के बिगड़े बोल - किसान आत्महत्या करने की बजाय विधायकों को काट डालें

मुंबई। प्रहार पार्टी के अध्यक्ष के बयान से पैदा हुई विवाद किसान आत्महत्या करने की बजाय विधायकों को काट डालें। प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष तथा प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू ने किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए उकसाने वाला बयान दिया है। कडू ने कहा कि दीपावली के मौके पर भी किसानों को दुख का सामना करना पड़ रहा है। किसान आत्महत्या करके मरने के बजाय विधायकों को काट डालें। फिर किसानों पर आत्महत्या करने की नौबत ही नहीं आएगी। कडू ने कहा कि किसानों को आत्महत्या करने के बदले विधायकों के घरों के सामने बिना कपड़े के नग्न बैठना चाहिए। कडू के इस बयान से विवाद पैदा हो गया है। सत्तारूढ़ और विपक्ष के नेताओं ने कडू के बयान की आलोचना की है। दरअसल, कडू ने रविवार को बुलढाणा में किसान अधिकार परिषद को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था।

ठाणे मनपा की ईस्टन एक्सप्रेस हाइवे पर व्यापक सफाई मुहिम

ठाणे। दिवाली के अवसर पर, ठाणे नगर निगम द्वारा आज दिवाली सोमवार के दिन ईस्टन एक्सप्रेस हाइवे घोड़बंदर रोड पर गायमुख से कल्याण फाटा तक राजमार्ग पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। ठाणे महानगर पालिका के उपायुक्त मनीष जोशी ने बताया कि इस अभियान में स्वीपिंग मशीन से पूरे राजमार्ग की सफाई की गई। साथ ही, इस पूरे मार्ग की सफाई के लिए कुल 300 सफाई कर्मचारियों को भी लगाया गया।

इस अभियान में कुल तीन डंपर कचरे से भरे गए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त मनीष जोशी, सहायक आयुक्त सुनील मोरे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक शयुराज कांबले, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक मयूरी अंबाजी सहित उप मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, सफाई कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया।

पूर्व वित्त मंत्री महादेवराव शिवणकर का निधन

गोंदिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, महाराष्ट्र के पूर्व सिंचाई एवं वित्त मंत्री और पूर्व सांसद महादेवराव शिवणकर का आज (20) सोमवार को वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। उन्होंने सुबह 9 बजे आमगांव में अंतिम सांस ली, वे 85 वर्ष के थे। उन्होंने लंबे समय तक गोंदिया जिले के आमगांव विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। राज्य की राजनीति में उनका गहरा प्रभाव था। पिछले कुछ वर्षों से वे सक्रिय राजनीति से दूर थे। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक जगत में खलबली मच गई है। उनके परिवार में दो बेटे विजय और संजय के अलावा एक बड़ा परिवार भी है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार (21 अक्टूबर) सुबह होगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति मुर्मू की उपस्थिति में पालघर को राष्ट्रीय पुरस्कार

पालघर। पालघर जिले को "आदि कर्मयोगी अभियान" के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह उपलब्धि जिले के समग्र विकास और जनहितकारी कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना को दर्शाती है।

इस सफलता में वन मंत्री एवं पालक मंत्री गणेश नाइक के नेतृत्व, ज़िला कलेक्टर डॉ. इंदु रानी जाखड़ के कुशल मार्गदर्शन और ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसके साथ ही परियोजना अधिकारी डॉ. अपूर्वा बसुर (जव्हार परियोजना) और विशाल खत्री (दहानू परियोजना) के प्रयासों ने अभियान को गति दी। सभी विभागों और कर्मचारियों ने मिलकर लक्ष्य की दिशा में कार्य किया, जिससे यह सम्मान संभव हो सका।

आदिवासी विकास का आदर्श मॉडल

पालघर जिले के "आदि कर्मयोगी", "आदि सहायता" और "आदि साथी" जैसे स्थानीय प्रतिनिधियों के समर्पित योगदान से यह अभियान सफल हुआ। इस उपलब्धि से न केवल जिले का मान बढ़ा है, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में जन-केंद्रित विकास का एक प्रभावी मॉडल भी स्थापित हुआ है। यह सम्मान टीम वर्क, ईमानदार सेवा और ग्रामीण विकास के प्रति निष्ठा का प्रतीक है

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

राहू का द्वादश भाव मे फल ओर उसके उपाय

राहू का पहले भाव में फल

पहला घर मंगल और सूर्य से प्रभावित होता है, यह घर किसी सिंहासन की तरह होता है। पहले घर में बैठा ग्रह सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। जातक अपनी योग्यता से बडा पद प्राप्त करेगा। उसे सरकार से भी अच्छे परिणाम मिलेंगे। इस घर में राहू उच्च के सूर्य के समान परिणाम देगा। लेकिन सूर्य जिस भाव में बैठा है उस भाव के फल प्रभावित होंगे। यदि मंगल, शनि और केतू कमजोर हैं तो राहू बुरे परिणाम देगा अन्यथा यह पहले भाव में अच्छे परिणाम देगा। यदि राहू नीच का हो तो जातक को कभी भी ससुराल वालों से बिजली के उपकरण या नीले कपडे नहीं लेने चाहिए, अन्यथा उसके पुत्र पर बुरा प्रभाव पडता है। राहू के दुष्परिणाम 42 साल की उम्र तक मिलते हैं।

उपायः (1) बहते पानी में 400 ग्राम सुरमा बहाएं।

(2) गले में चांदी पहनें।

(3) 1:4 के अनुपात में जौ में दूध मिलाए और बहते पानी में बहाएं।

(4) बहते पानी में नारियल बहाएं।

प्रियंका जैन
9769994439

राहू का दूसरे भाव में फल

यदि दूसरे घर में राहू शुभ अवस्था में हो तो जातक पैसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करता है और किसी राजा की तरह जीवन जीता है। जातक दीर्घायु होता है। दूसरा भाव बृहस्पति और शुक्र से प्रभावित होता है। यदि बृहस्पति शुभ हो तो जातक अपनी प्रारंभिक अवस्था में धन से युक्त व आराम भरी जिन्दगी जीता है। यदि राहू नीच का हो तो जातक गरीब होता है, उसका पारिवारिक जीवन खराब होता है। वह पेट के विकारों से परेशान होता है। जातक पैसे बचाने में असमर्थ होता है और उसकी मृत्यु किसी हथियार से होती है। उसके जीवन के दसवें, इक्कीसवें और बयालीसवें वर्ष में चोरी आदि माध्यमों से उसका धन खो जाता है।

उपायः (1) चांदी की एक ठोस गोली अपनी जेब में रखें।

(2) बृहस्पति से सम्बंधित चीजें जैसे सोना, पीले कपड़े और केसर आदि उपयोग में लाएं।

(3) माँ के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखें।

(4) शादी के बाद ससुराल वालों से कोई बिजली का उपकरण न लें।

राहू का तीसरे भाव में फल

यह राहु का पक्का घर है। तीसरा घर बुध और मंगल से प्रभावित होता है। यदि यहां राहू शुभ हो तो, बहुत धन दौलत वाला और दीर्घायु होता। वह एक निडर और वफादार दोस्त होता है। वह सपनों के माध्यम से भविष्य देख सकेगा। वह कभी निःसंतान नहीं होगा। वह शत्रुओं पर विजय पाने वाला होगा। वह कभी भी कर्जदार नहीं रहेगा। वह अपने पीछे सम्पत्ति छोड जाएगा। अपने जीवन के 22वें वर्ष में वह प्रगति करेगा। लेकिन अगर राहू तीसरे घर में अशुभ है तो उसके भाई और रिश्तेदार अपने पैसे बर्बाद करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

बच्चों की तस्करी का भंडाफोड़

सहारनपुर: पुलिस ने एक बड़े बच्चे की तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश किया है और इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी एक साल के बच्चे को 3.5 लाख में बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने यह कार्रवाई जिले में चल रहे गहन छापेमारी और जांच के दौरान की। इस रैकेट का संचालन लंबे समय से चल रहा था और इसका उद्देश्य बच्चों को अवैध रूप से बेचना और मुनाफा कमाना था। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके और अन्य संभावित पीड़ित बच्चों को भी सुरक्षित किया जा सके। इस घटना ने न केवल मानव तस्करी की गंभीरता को उजागर किया है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया है।

अवैध बालू खदान में डूबकर 12 लोगों की मौत

आगरा। उतंगन नदी में दशहरे के दिन एक दुखद घटना हुई, जब अवैध बालू खदान में डूबने से 12 लोग अपनी जान गंवा बैठे। बताया गया है कि ये लोग नदी में स्नान करने गए थे, लेकिन गहरे गड्ढे में गिर जाने के कारण वे डूब गए। स्थानीय लोगों और प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन तब तक कई लोगों की मौत हो चुकी थी। इस घटना ने अवैध बालू खदानों के संचालन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रशासनिक निगरानी की कमी को उजागर किया। अधिकारियों ने क्षेत्र में बालू खदानों की सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष जांच और निगरानी अभियान चलाने की बात कही। इस घटना से यह स्पष्ट हो गया कि अवैध निर्माण कार्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी जीवन के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है।

दीपावली के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान

लखनऊ। दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए राज्यव्यापी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान 8 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मिलावटी सामग्री जब्त और नष्ट की गई। अभियान का उद्देश्य त्योहार के समय बाजार में बिक रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारियों ने बताया कि विशेष टीमों ने दुकानों, गोदामों और निर्माण केंद्रों की जांच की, और मिलावटी सामग्री पकड़ी गई। इस कदम से न केवल उपभोक्ताओं को सुरक्षित उत्पाद मिले, बल्कि व्यापारियों को भी चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की मिलावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने वनटांगिया गांव में मनाई दीपावली

एजेंसी | गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर के वनटांगिया गांव जंगल तिनकोनिया नंबर तीन में वनटांगिया समाज के बीच दीपावली मनाई। इस अवसर पर उन्होंने 49 करोड़ रुपये की 133 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

अयोध्या बनी समृद्धि और सुशासन का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या आज पूरी दुनिया को आकर्षित कर रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के अस्तित्व को कांग्रेस सरकारों ने नकारने का प्रयास किया था और सपा ने रामभक्तों पर गोली चलवाई थी। लेकिन आज वही अयोध्या दिव्य और भव्य बनकर विश्व में पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या बांटती नहीं, सबको जोड़ती है-यहां महर्षि वाल्मीकि, माता शबरी और स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के नाम पर स्थल बनाए गए हैं।

अनुशासन और समर्पण से गढ़ा नया उत्तर प्रदेश

सीएम ने कहा कि अनुशासन और कार्य के प्रति समर्पण ही राज्य की ताकत है। इन्हीं मूल्यों के बल पर उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था के नए मानक गढ़े हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर व्यक्ति एक गरीब परिवार में दीपावली की खुशियां जरूर साझा करे और सेल्फी विद गरीब' लेकर दुनिया को बताए कि भारत एक है।

वनटांगिया गांव बना विकास का मॉडल

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे वनटांगिया गांव आज योजनाओं से संतृप्त हैं। अब यहां पक्के मकान, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, बिजली और पानी की सुविधा उपलब्ध है। महिलाओं ने एफपीओ के माध्यम से खेती में आत्मनिर्भरता हासिल की है।

पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही अयोध्या

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही है, जहां सूर्य की किरणों से ही बिजली उत्पन्न की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'नया उत्तर प्रदेश, नए भारत की झलक अयोध्या में दिखाई देती है।'

दीपावली सभी के जीवन में नई ऊर्जा और खुशहाली लाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी | भोपाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के अवसर पर सोमवार को मंत्रियों, विधायकों, जन-प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, अधिकारियों और आम नागरिकों से भेंट कर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री निवास पर पूरे दिन दीपों की जगमगाहट और उत्सव का माहौल बना रहा। इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग, इंदर सिंह परमार, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, नरेंद्र शिवाजी पटेल, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और महापौर मालती राय सहित कई जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिलने पहुँचे और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपों का यह महापर्व जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और खुशहाली लेकर आता है। यह पर्व केवल रोशनी का नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। सभी को मिलजुलकर इस त्यौहार को मनाना चाहिए ताकि समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण बने।

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने निवास स्थित मंदिर में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों को दीपावली की मंगलकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के आशीर्वाद से हर घर में उजाला, आनंद और सुख-समृद्धि बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपों का यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, प्रेरणा और सकारात्मकता का संचार करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि दीपावली पर खुशियां बाँटें, जरूरतमंदों की मदद करें और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी फैलाएं। डॉ. यादव ने पूरे प्रदेश को उल्लास और प्रकाश से आलोकित दीपावली की हार्दिक बधाई दी।

लखनऊ में कारोबारी की पत्नी की संदिग्ध मौत

एजेंसी | लखनऊ

राजधानी लखनऊ में सीमेंट कारोबारी की पत्नी की मौत ने सनसनी फैला दी है। रविवार रात करीब तीन बजे हुई इस घटना के बाद मायके वालों ने पति, सास, ससुर और ननद पर दहेज हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि पति 10 लाख रुपये की मांग कर रहा था और इसी वजह से उसकी बेटी की हत्या की गई। कानपुर के जाजमऊ निवासी पार्थ महाना की शादी दिसंबर 2022 में दिल्ली की निकिता (28) से हुई थी। शादी में कई नामी हस्तियां शामिल हुई थीं, जिनमें यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और गायक हंसराज हंस के बेटे नवराज हंस भी मौजूद थे। शादी के बाद पार्थ लखनऊ के कृष्णा नगर डी सेक्टर में रहकर सीमेंट का कारोबार कर रहा था। निकिता की बहन मुस्कान के अनुसार, शनिवार देर रात पार्थ और निकिता एक पार्टी से लौटे थे। कुछ घंटे बाद रात तीन बजे पार्थ ने फोन कर बताया कि निकिता ने आत्महत्या कर ली है। जब परिवार लखनऊ पहुंचा तो उन्हें निकिता के शरीर पर पिटाई के निशान मिले।

कम बोनस पर भड़के टोलकर्मी

एजेंसी | फतेहाबाद

दिवाली बोनस कम मिलने से नाराज फतेहाबाद टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने शनिवार रात आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के गेट खोल दिए। करीब दो घंटे तक सभी गाड़ियां बिना टोल चुकाए गुजरती रहीं, जिससे कंपनी को करीब 25 से 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ। जानकारी के मुताबिक, टोल का संचालन श्री साईं एंड दातार कंपनी करती है, जिसके पास यह ठेका इसी साल मार्च में आया था। कंपनी ने कर्मचारियों को 1100 रुपये बोनस दिया था, जबकि कर्मचारियों की मांग थी कि उन्हें पिछली बार की तरह 5000 रुपये बोनस दिया जाए। बोनस कम मिलने से नाराज कर्मचारियों ने शनिवार रात करीब 10 बजे टोल गेट खोल दिए और बूम बैरियर हटा दिए। मैनेजर ने जब कर्मचारियों को समझाने की कोशिश की, तो उन्होंने बात मानने से इंकार कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन नाराज टोलकर्मी झुकने को तैयार नहीं थे। उन्होंने दूसरे कर्मचारियों को भी काम नहीं करने दिया।

फ्लिपकार्ट एजेंट से लूट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी | वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के बड़ागांव चिउरापुर–हथिवार मार्ग पर फ्लिपकार्ट डिलीवरी एजेंट को तमंचा दिखाकर लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने सोमवार को दबोच लिया। बदमाशों के निशानदेही पर बड़ागांव पुलिस ने लूट का माल, एक देशी तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर लिया।

डिलीवरी के बहाने एजेंट से की लूट

इसके बाद अपने दोनों साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई कि जब डिलीवरी एजेंट मोबाइल देने आएगा, तब उससे लूट की जाएगी। 18 अक्टूबर की शाम जब डिलीवरी एजेंट फोन लेकर उसके पास पहुँचा, तो उसे सूनसान स्थान पर बुलाया। उसी समय उसके दोनों साथी मोटरसाइकिल से पहुँचे, जहाँ पीछे बैठे अमन यादव ने तमंचा दिखाकर एजेंट को डराया और उससे नया मोबाइल, उसका निजी फोन, नगद व अन्य सामान छीन लिया।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत की कार्रवाई

डीसीपी गोमती जोन कार्यालय के अनुसार 18 अक्टूबर को चिउरापुर–हथिवार मार्ग पर बुकिंग पार्सल वितरित कर रहे डिलीवरी एजेंट महेश कुमार वर्मा पुत्र स्व0 मिठाई लाल निवासी कटौना, वाराणसी को दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उनके पास से मोबाइल फोन, नगद पैसा एवं पार्सल लूट लिया और फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर मिलने के बाद बड़ागांव पुलिस ने अज्ञात बदमाशों की गिरफ्तारी एवं माल बरामदगी के लिए टीम गठित किया। पुलिस टीम बदमाशों के गिरफ्तारी के लिए जुटी थी। इसी दौरान आज बदमाशों की लोकेशन मिलते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

साजिश रचकर किया गया था लूट का प्लान

गिरफ्तार बदमाशों में ग्राम चक्का हरहुआ, थाना बड़ागांव निवासी मोहित यादव पुत्र अवध नारायण यादव, जगापट्टी रामेश्वर, थाना जंसा निवासी शनि यादव पुत्र रमाशंकर यादव, अमन यादव पुत्र राजकुमार यादव हैं। पूछताछ में आरोपित मोहित यादव ने बताया कि वे आपस में मित्र हैं और लूटपाट भी साथ ही करते हैं। उसने अपना नाम बदल अवनीश सिंह के नाम से फ्लिपकार्ट पर खाता बनाकर हथिवार मार्ग, वाराणसी के पते पर रेडमी 15 (5जी) मोबाइल का ऑर्डर किया था।

काशी में अनोखा संगम: मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम की उतारी आरती

एजेंसी | वाराणसी

दीपावली के पावन अवसर पर काशी में एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर देशभर में सांप्रदायिक सौहार्द और एकता का संदेश दिया। लमही के सुभाष भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मुस्लिम महिलाओं की श्रीराम महाआरती का आयोजन किया गया, जो पिछले 19 वर्षों से लगातार हो रहा है। कार्यक्रम में जगद्गुरु बालक देवाचार्य जी महाराज के मार्गदर्शन में मुस्लिम महिलाओं ने दीप जलाकर भगवान श्रीराम की आरती की। उर्दू में लिखी नाज़नीन अंसारी की श्रीराम आरती सभी ने मिलकर गाई, जिससे पूरा सभागार शंखनाद और 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। जगद्गुरु बालक देवाचार्य जी ने कहा कि 'राम की संस्कृति सभी

को साथ लेकर चलने की है। अगर देश और परिवार में शांति चाहिए तो राम नाम ही सबसे बड़ा सहारा है।' उन्होंने मुस्लिम महिलाओं की पहल को रामराज्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा, 'हमने मजहब बदला है, धर्म नहीं। धर्म तो सनातन है, हम सब सनातनी हिंदू हैं। राम के आने का मतलब है सुख, शांति, प्रेम और एकता।" उन्होंने अफगानिस्तान में भगवान राम की प्रतिमा स्थापित करने की भी मांग की, ताकि वहां के लोग अपनी जड़ों से जुड़ सकें। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव श्री गुरुजी ने कहा कि 'रामपंथ ही दुनिया में फैली नफरत को खत्म करने का एकमात्र उपाय है।'

व्यापार जगत

चांदी की कीमत में बड़ा गिराव

एजेंसी | नई दिल्ली

पिछले कुछ सप्ताह में लगातार मजबूती दिखाने के बाद अब चांदी की कीमत में गिरावट का रुख देखने को मिल रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में पिछले एक सप्ताह के दौरान चांदी के भाव में औसतन 8,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। चेन्नई और हैदराबाद में यह गिरावट 17,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

मुख्य शहरों में हालात

15 अक्टूबर को चेन्नई और हैदराबाद में चांदी का भाव 2,07,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया था, जो अब घटकर 1,90,000 रुपये के स्तर पर आ गया है। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी का भाव 1,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चेन्नई एवं हैदराबाद में 1,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

विशेषज्ञों का दृष्टिकोण

बुलियन मार्केट विशेषज्ञ मयंक मोहन का कहना है कि वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव, लंदन के इंटरनेशनल सिल्वर मार्केट में सप्लाई की कमी और इंडस्ट्रियल डिमांड में वृद्धि ने चांदी की कीमत को बढ़ावा दिया था। घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन की तेज मांग और सोने के मुकाबले चांदी में निवेश की प्रवृत्ति ने भी चांदी के भाव को ऊंचा रखा। चांदी के सिक्कों की बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

दिवाली पर सुरक्षित निवेश की मांग से सोने-चांदी की चमक लौटी

एजेंसी | नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और रिकॉर्ड ऊंचाई से कुछ गिरावट के बाद मूल्य आधारित खरीदारी की के चलते घरेलू वायदा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी लौट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 982 रुपये या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 14,913 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

सोना फिर उभरा, रिकॉर्ड स्तर से मामूली गिरावट के बाद सुधार

शुक्रवार को सोना 1,32,294 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, हालांकि बाद में इसमें गिरावट हुई और यह 1,27,008 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इसमें 1,862 लॉट के लिए कारोबार हुआ। चांदी वायदा में भी सुधार हुआ। दिसंबर डिलीवरी के लिए यह 1,522 रुपये या 0.97 प्रतिशत बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसमें 23,985 लॉट के लिए कारोबार हुआ। एमसीएक्स पर चांदी 1,70,415 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर थी।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे बढ़कर 87.93 पर बंद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विदेशी निवेशकों की लिवाली और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के चलते सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे बढ़कर 87.93 (अनंतिम) पर बंद हुआ।विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा ने स्थानीय मुद्रा को और समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 87.94 पर खुला। दिन के कारोबार में यह 87.74 के ऊपरी ओर 87.94 के निचले स्तर तक पहुंचा। कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 87.93 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है।

जीएसटी सुधारों से रिटेल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को बड़ा लाभ

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत सरकार ने हाल ही में कई वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की खरीदारी क्षमता बढ़ाना और घरेलू बाजार में उत्साह लौटाना है। इस कदम से घरेलू उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी के संकेत मिले हैं, खासकर रिटेल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उपभोक्ता-उन्मुख सेक्टरों में। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की खपत लगभग 20 लाख करोड़ तक बढ़ने की संभावना है। इसमें स्मार्टफोन, टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और अन्य घरेलू उपकरण शामिल हैं। यह वृद्धि सीधे तौर पर जीएसटी दरों में कटौती से प्रेरित है, क्योंकि कम कर दरें उत्पादों की कीमत को कम करती हैं और ग्राहकों के लिए खरीद को आकर्षक बनाती हैं।साथ ही, Crisil Ratings की रिपोर्ट बताती है कि संगठित परिधान (apparel) रिटेल सेक्टर को भी जीएसटी सुधारों का लाभ मिलेगा। नए कर ढांचे से इस सेक्टर में लगभग 200 बेसिस पॉइंट्स (bps) का सकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। इसका मतलब है कि कर लाभ की वजह से व्यापारिक कंपनियों की मार्जिन और बिक्री बढ़ सकती है, जिससे पूरे रिटेल सेक्टर में गतिविधियां तेज होंगी।

त्योहारी सीज़न में इलेक्ट्रॉनिक्स बिक्री में उछाल, ऑनलाइन मार्केट ने तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी | नई दिल्ली

दिवाली और नवरात्र के मौके पर देशभर में उपभोक्ता खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। ई-कॉमर्स कंपनियों अमेज़न, फ्लिपकार्ट और मिंत्रा की फेस्टिव सेल के दौरान स्मार्टफोन, टीवी, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की बिक्री में पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

स्मार्टफोन सेगमेंट में सबसे ज्यादा डिमांड

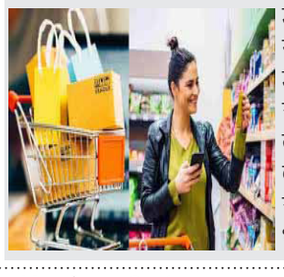

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस बार उपभोक्ताओं ने 5G स्मार्टफोन और मिड-रेंज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीदारी में दिलचस्पी दिखाई है। सैमसंग, शाओमी और वनप्लस जैसी कंपनियों ने त्योहारी ऑफर्स के जरिए बड़ी संख्या में नए ग्राहकों को आकर्षित किया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ ऑफलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स में भी ग्राहकों की भीड़ बढ़ी है।

ई-कॉमर्स कंपनियों का बढ़ा मुनाफा

रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट की "बिग बिलियन डेज़" सेल और अमेज़न की "ग्रेट इंडियन फेस्टिवल" सेल ने कंपनी के राजस्व में 40% तक की वृद्धि की है। इससे दोनों कंपनियों ने अब तक का सबसे बेहतर फेस्टिव सीज़न दर्ज किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही रुझान जारी रहा तो नवंबर तक देश में रिटेल कारोबार का मूल्य 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। आने वाले महीनों में शादी का सीज़न भी बाजार को और रफ्तार देगा।

शेयर बाजार में चौथे दिन तेजी सेंसेक्स 411 अंक से ज्यादा चढ़ा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए और बाजार ने लगातार चौथे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी। रिलायंस इंडस्ट्रीज में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। वैश्विक बाजारों में जोरदार तेजी ने भी बाजारों के उत्साह को बढ़ाया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 411.18 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 84,363.37 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान

बढ़कर 25,843.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय बढ़त हुई। आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स और पावर ग्रिड लाल निशान में बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हेंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 308.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.29 प्रतिशत गिरकर 61.11 डॉलर प्रति बैरल पर था।

शीर्ष दो में जगह पक्की करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी । कोलंबो

महिला वनडे विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है, लेकिन उसका अभियान यहीं नहीं रुकना चाहता। टीम मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने अगले मुकाबले में जीत की लय बरकरार रखने और ग्रुप चरण में शीर्ष दो में स्थान सुनिश्चित करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

अब तक दक्षिण अफ्रीका ने आठ अंक जुटा लिए हैं और पाकिस्तान पर जीत दर्ज कर वह लीग चरण में दूसरा स्थान पक्का करना चाहेगी। इससे टीम सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने से बच सकती है, जो फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है। हालांकि, कोलंबो का मौसम फिर एक बार मुकाबले में बाधा डाल सकता है। यहां खेले गए नौ में से पांच मैच पहले ही बारिश के कारण रद्द हो चुके हैं। पाकिस्तान की टीम के लिए यह मुकाबला केवल प्रतिष्ठा बचाने का अवसर है, क्योंकि उसकी सेमीफाइनल की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी बल्लेबाजी रही है, जहां उसके शीर्ष क्रम की किसी भी खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 75 से ऊपर नहीं पहुंचा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका का शीर्ष क्रम कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताज़मिन ब्रिट्स के शानदार फॉर्म से मजबूत नजर आ रहा है। मिडिल ऑर्डर में सुने लुस,मारिज़ैन काप और नादिन डी क्लार्क रन गति बनाए रखने में सक्षम हैं। नादिन डी क्लार्क अब तक खुद को एक भरोसेमंद फिनिशर के रूप में साबित कर चुकी हैं। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पहले से घोषित हैं और अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या बारिश इस अहम मुकाबले का नतीजा तय होने देगी या नहीं।

चारों ग्रीको रोमन पहलवान अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में हारे

एजेंसी । नोवी साद (सर्बिया)

भारत के ग्रीको रोमन पहलवान अंडर-23 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के पहले दिन सोमवार को एक भी मुकाबला नहीं जीत सके और सभी चार खिलाड़ियों को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए। गौरव का मुकाबला किर्गिस्तान के कुट्टूबेक ए अब्दुराजाकोव से था और वह तकनीकी श्रेष्ठता के कारण हार गए। अंकित को सर्बिया के जालान पेक के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। रोहित को क्वालीफिकेशन राउंड में अमेरिका के पेटन जे जैकबसन से जबकि जोगिंदर को उज्बेकिस्तान के दामिरखोन रख्मातोव से हार का सामना करना पड़ा।

T20I में रन बरसे, इंग्लैंड ने 65 रनों से रौंदा न्यूज़ीलैंड

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली। दोनों टीमों ने मिलकर कुल 407 रन बनाए-जो इन दोनों टीमों के बीच टी20I इतिहास में सबसे ज्यादा है। इंग्लैंड ने इस हाई-स्कोरिंग मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 65 रनों से मात दी और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 236 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने 56 गेंदों में 85 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 1 छक्का शामिल था। कप्तान हैरी ब्रुक ने सिर्फ 35 गेंदों में 78 रन ठोक दिए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के रहे। इनके अलावा टॉम बैंटन ने 29 और जैकब बेथेल ने 24 रन जोड़े। न्यूज़ीलैंड के गेंदबाज इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने पूरी तरह बेअसर नजर आए। काइल जैमीसन ने 2 विकेट लिए, जबकि जैकब डफी और माइकल ब्रेसवेल को 1-1 सफलता मिली, लेकिन सभी गेंदबाजों की इकॉनमी 10 से ऊपर रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड टीम 18 ओवर में 171 रन पर सिमट गई। टिम सीफर्ट ने 39 और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 36 रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद सबसे घातक साबित हुए-उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। ल्यूक वुड, ब्रायडन कार्से और लियाम डॉसन को 2-2 विकेट मिले। इस धमाकेदार मुकाबले में इंग्लैंड ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना दबदबा दिखाते हुए न्यूज़ीलैंड को हर पहलू में पछाड़ दिया।

मोरक्को ने अर्जेंटीना को हराकर जीता पहला फीफा अंडर-20 विश्व कप खिताब

सेंटियागो। मोरक्को ने इतिहास रचते हुए अर्जेंटीना को 2-0 से हराकर अपना पहला फीफा अंडर-20 विश्व कप खिताब जीत लिया। स्ट्राइकर यासिर ज़ब्रिनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दो गोल दागे। उन्होंने 12वें और 29वें मिनट में गोल कर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। इस जीत के साथ मोरक्को 2009 में घाना के बाद अंडर-20 विश्व कप जीतने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया है।

मोरक्को ने टूर्नामेंट में अपने समूह में स्पेन, ब्राज़ील और मेक्सिको को पछाड़ते हुए टॉप किया था। नॉकआउट चरण में उसने दक्षिण कोरिया, अमेरिका और फ्रांस को हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर,अर्जेंटीना का यह टूर्नामेंट में पहला मुकाबला था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। वह अपना सातवां खिताब जीतने की कोशिश में थी। टीम अपने दो शीर्ष खिलाड़ियों -क्लाउडियो एचेवेरी (बायर लेवरकुसेन) और फ्रांको मास्तांतोनो (रियल मैड्रिड) की गैरमौजूदगी में फाइनल खेल रही थी।

तीसरी बार खिताब जीतने उतरेंगे सात्विक-चिराग

पेरिस। एशियाई सर्किट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने के बाद भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अब फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत के इरादे से उतरने जा रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत मंगलवार से होगी, जिसमें यह भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और रहमत हिदायत की जोड़ी के खिलाफ करेगी।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग 2022 और 2024 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुके हैं और अब वे इस उपलब्धि को तीसरी बार दोहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में उन्होंने डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जबकि हांगकांग और चाइना मास्टर्स के फाइनल में भी जगह बनाई थी। भारत के सिंगल्स वर्ग में लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड के नहत गुयेन के खिलाफ करेंगे। वहीं, आयुष शेट्टी को जापान के कोकी वतनबे से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। महिला वर्ग में युवा खिलाड़ी अनमोल खरब हले दौर में कोरिया की शीर्ष वरीय एन से-यंग के खिलाफ उतरेंगी, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीन की चौथी वरीय हान यू से होगा। इसी बीच, विश्व जूनियर चैंपियनशिप की सेमीफाइनलिस्ट उन्नति हुड्डा मलेशिया की करुपाथेवन लेत्शाना के खिलाफ खेलेंगी।

पुरुष युगल में पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक अपनी चुनौती पेश करेंगे, जबकि महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंह और रुतुपर्णा-श्वेतपर्णा पांडा बहनें आमने-सामने होंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रैस्टो और रोहन कपूर-रुत्विका शिवानी गड्डे भी भारत की उम्मीदें बढ़ाने के लिए कोर्ट पर उतरेंगे।

बॉलीवुड

'धूम 4' से अलग हुए अयान मुखर्जी, फैंस में निराशा

निर्देशक अयान मुखर्जी ने फिल्म 'वॉर 2' की असफलता के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म 'धूम 4' के निर्देशन से खुद को अलग कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अयान ने निर्माता आदित्य चोपड़ा के साथ हुई एक निजी बैठक में इस परियोजना को लेकर अपनी शंकाएं जाहिर कीं। उनका मानना है कि 'वॉर 2' और 'धूम 4' जैसी हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्में उनके फिल्ममेकिंग स्टाइल के अनुरूप नहीं हैं, और वे भविष्य में रोमांस और ड्रामा जैसी भावनात्मक कहानियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार अयान मुखर्जी बस श्रीधर राघवन द्वारा लिखी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे, लेकिन कहानी और स्क्रीनप्ले पर उनका ज्यादा हस्तक्षेप नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है, ₹अयान केवल लिखित स्क्रिप्ट को पर्दे पर उतारने वाले फिल्ममेकर नहीं हैं। वे एक जुनूनी निर्देशक हैं, जो लिखी हुई कहानी से आगे बढ़कर उसे अपने दृष्टिकोण से जीवंत बनाना पसंद करते हैं। यही वजह है कि उन्होंने 'धूम 4' से अलग होने का फैसला लिया।

अयान का यह फैसला आदित्य चोपड़ा और रणबीर कपूर के साथ चर्चा के बाद लिया गया। दोनों ने अयान के नज़रिए को समझते हुए उनके निर्णय का समर्थन किया। अब अयान पूरी तरह से अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'ब्रह्मास्त्र 2' की तैयारियों में जुट गए हैं। फिल्म की स्क्रिप्टिंग पूरी हो चुकी है, और शूटिंग 2026 में शुरू होने की संभावना है। वहीं, दूसरी ओर आदित्य चोपड़ा अब 'धूम 4' के लिए एक नए निर्देशक की तलाश में हैं, जो इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज़ी को अगले स्तर तक ले जा सके।

दिवाली पर धमाल मचाने आ रही है 'थामा', साथ दिखेंगे तीन बड़े सरप्राइज

दिवाली के मौके पर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'थामा' 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। यह फिल्म रोमांस और इमोशन से भरपूर बताई जा रही है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि 'थामा' के साथ दर्शकों को एक नहीं बल्कि तीन बड़े फिल्मी सरप्राइज मिलने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'थामा' के साथ थिएटर्स में 'इक्कीस' का टीज़र, 'शक्ति शालिनी' का अनाउंसमेंट प्रोमो, और 'कॉकटेल 2' के गाने 'जब तलक' का प्रोमो दिखाया जाएगा। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएफसी ने 16 अक्टूबर को इस गाने के प्रोमो को U/A 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास किया है। इसका रनटाइम 1 मिनट 51 सेकेंड है।

'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म 2012 में आई सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी स्टारर हिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है, जबकि निर्देशन एक बार फिर होमी अदजानिया के हाथों में है।थिएटर मालिकों को पहले ही निर्देश दे दिए गए हैं कि 'थामा' की स्क्रीनिंग के साथ ये सभी प्रोमो दिखाए जाएं। दिलचस्प बात यह है कि 'कॉकटेल 2' और 'थामा'-दोनों में ही रश्मिका मंदाना अहम किरदार निभा रही हैं, जिससे यह दिवाली बॉक्स ऑफिस पर रश्मिका स्पेशल फेस्टिव धमाका बनने जा रही है।

संगीत की दुनिया में फिर छाए दिलजीत दोसांझ 'चार्मर' से लौटाया जादू

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और गायक दिलजीत दोसांझ का नया गाना 'चार्मर' रिलीज हो चुका है, जो दोसांझ के ताजा एलबम 'ऑरा' का हिस्सा है। गाने के रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। सान्या के डांस मूव्स और स्टाइलिश लुक ने नेटिज़न्स का ध्यान खींच लिया है, वहीं दिलजीत का स्वैग हमेशा की तरह दर्शकों को पसंद आ रहा है। इस म्यूजिक वीडियो में सान्या का बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है। दर्शक उनके डांस स्टेप्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। 'चार्मर' को राज रंजोध ने लिखा और संगीतबद्ध किया है, जबकि इसे दिलजीत दोसांझ ने अपनी आवाज़ दी है। वीडियो का निर्माण एवी स्रा ने किया है। दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने नए एलबम 'ऑरा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। इससे पहले 15 अक्टूबर को रिलीज हुए गाने 'हीरे कुफर करें' में मानुषी छिल्लर ने अपने सिज़लिंग मूव्स से सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया था। अब 20 अक्टूबर को रिलीज हुए 'चार्मर' में सान्या मल्होत्रा ने उसी ऊंचे स्तर को और आगे बढ़ा दिया है। वहीं, फिल्मों की बात करें तो सान्या मल्होत्रा को हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन, रोहित सराफ और जान्हवी कपूर के साथ देखा गया था। अब वह निर्देशक अनुराग कश्यप की आगामी फिल्म 'बंदर' में नजर आने वाली हैं।

अभिनेता रजनीकांत ने प्रशंसकों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

दीपावली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसी क्रम में आज पूरे देश में दिवाली मनाई जा रही है। ऐसे में अभिनेता रजनीकांत ने प्रशंसकों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। दीपावली पर्व पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और फिल्मी हस्तियां एक-दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे हैं। अभिनेता रजनीकांत ने चेन्नई के पोएस गार्डन स्थित अपने आवास के सामने एकत्रित प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इस दौरान प्रशंसकों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए।

दिवाली समारोह में हाइपोग्लाइसीमिया और डिहाइड्रेशन से 10 घायल

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के दिवाली समारोह के दौरान दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर तालुक स्टेडियम में 10 लोगों की तबियत बिगड़ गई। यह कार्यक्रम 'अशोका जनामना' नामक समारोह के तहत आयोजित किया गया था, जिसमें स्थानीय विधायक अशोक राय भी मौजूद थे। आयोजकों की लापरवाही और अत्यधिक भीड़ के कारण लोगों को हाइपोग्लाइसीमिया और डिहाइड्रेशन की समस्या हुई। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

20 हजार क्षमता वाले स्टेडियम में 1 लाख लोग जमा

भारी भीड़ ने बढ़ाई मुश्किलें

स्टेडियम की क्षमता केवल 20,000 लोगों की थी, लेकिन अनुमान से कहीं ज्यादा 1 लाख लोग समारोह में पहुंचे। इससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई और कई लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। दोपहर के भोजन के समय भीड़ और लंबी प्रतीक्षा के कारण कुछ लोग चक्कर खाकर गिर पड़े। महिला और बच्चों की स्थिति सबसे गंभीर रही, जिन्हें तत्काल आईवी फ्लूइड्स और ओपीडी के माध्यम से इलाज दिया गया।

सरकार की प्रतिक्रिया

अब तक इस घटना को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। पुलिस ने कहा कि स्टेडियम में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन आयोजकों ने पर्याप्त कदम नहीं उठाए। घटनास्थल पर घायल लोगों का इलाज जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना आयोजकों और प्रशासन के लिए चेतावनी है कि बड़े समारोहों में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।

स्थानीय लोगों की नाराजगी

स्थानीय नागरिकों ने आयोजकों पर सुरक्षा और प्रबंधन की कमी का आरोप लगाया है। उन्होंने सरकार और आयोजकों से आग्रह किया है कि भविष्य में इस तरह की भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों के लिए ठोस प्रबंध किए जाएं ताकि किसी की जान जोखिम में न पड़े।

पिछले हादसों की याद ताजा

यह घटना कर्नाटक में पहले हुई भीड़ नियंत्रण की असफलताओं की याद दिलाती है। 4 जून 2025 को बेंगलुरु के स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस समय भी मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री समारोह में उपस्थित थे।

बेंगलुरु स्टेडियम में मची थी भगदड़

कर्नाटक के बेंगलुरु स्टेडियम में 4 जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल हो गए थे। इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य मंत्री वहां मौजूद थे। इस घटना के बाद कई प्रशासनिक और पुलिस अफसरों पर एक्शन हुआ था।

महागठबंधन में उथल-पुथल के बीच कांग्रेस की चौथी लिस्ट जारी

अब तक 60 उम्मीदवारों का ऐलान

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है। महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर असमंजस के बीच कांग्रेस ने अपने 6 नए उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट जारी कर दी है। अब तक कांग्रेस कुल 60 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी है। इस लिस्ट में वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, अररविया से अबिदुर रहमान, अमौर से जलील मस्तान, बरारी से तौकीर आलम, कहलगांव से प्रवीण सिंह कुशवाहा और सिकंदरा (SC) से विनोद चौधरी को पार्टी ने टिकट दिया है।

महागठबंधन में असमंजस जारी

सूत्रों के मुताबिक, बिहार में सीट शेयरिंग पर महागठबंधन के घटक दलों के बीच कोई आम सहमति नहीं बन पा रही है। कुछ सीटों पर गठबंधन के सहयोगी दलों ने अपने-अपने उम्मीदवार पहले ही घोषित कर दिए हैं। इससे पार्टी के समर्थकों में उत्साह भी प्रभावित हो रहा है।

दूसरे चरण का नामांकन आज अंतिम दिन

पहले चरण के नामांकन के बाद, सोमवार को दूसरे चरण के उम्मीदवारों के नामांकन का आखिरी दिन है। हालांकि, महागठबंधन अब तक यह स्पष्ट नहीं कर सका कि किस दल को कितनी और कौन-कौन सी सीटें दी जाएंगी।

कुटुम्बा में कांग्रेस-राजद का आमना-सामना

राजद ने महागठबंधन के सहयोगी दलों को दरकिनार करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की कुटुम्बा सीट सहित एक दर्जन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। इससे कांग्रेस और राजद के बीच सीधे मुकाबले की संभावना बढ़ गई है।

विकसित भारत के सपने में महाराष्ट्र की अग्रणी भूमिका: फडणवीस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। वे यहां "विकसित महाराष्ट्र 2047" सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

'विजन दस्तावेज' बनेगा विकास का रोडमैप

फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र का "विजन दस्तावेज" राज्य को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक ठोस रोडमैप के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि इस दस्तावेज़ को सलाहकार समिति ने मंज़ूरी दे दी है और जल्द ही इसे राज्य कैबिनेट के समक्ष अनुमोदन के लिए पेश किया जाएगा। दस्तावेज़ में वर्ष 2029, 2035 और 2047 तक के लिए तीन चरणों वाला विकास रोडमैप तैयार किया गया है।

नागरिकों तक पहुँचाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने इस मसौदे को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भविष्य की सभी योजनाएँ और नीतियाँ इसी दस्तावेज़ के अनुरूप तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि "विकसित महाराष्ट्र 2047" को वीडियो प्रारूप में परिवर्तित किया जाए ताकि नागरिक इसके उद्देश्यों को आसानी से समझ सकें। फडणवीस ने कहा कि इस मसौदे को जनता से जबरदस्त समर्थन मिला है, जो राज्य की विकास यात्रा को नई दिशा देगा।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूसी गैस प्लांट ठप

मास्को। यूक्रेन द्वारा रूस के ओरेनबर्ग गैस प्लांट पर किए गए ड्रोन हमले का असर अब पड़ोसी कजाखस्तान पर भी पड़ा है। हमले के बाद कजाखस्तान को अपने कराचागानाक तेल और गैस कंडेनसेट क्षेत्र में उत्पादन को 25 से 30 प्रतिशत तक घटाना पड़ा। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने रॉयटर्स को इसकी जानकारी दी। ओरेनबर्ग गैस प्लांट, जो दुनिया के सबसे बड़े गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों में से एक है, ने हमले के बाद कजाखस्तान से गैस की सप्लाई अस्थायी रूप से रोक दी। कजाख ऊर्जा मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, कराचागानाक का उत्पादन सामान्य 35,000-35,500 मीट्रिक टन से घटकर 25,000-28,000 मीट्रिक टन (लगभग 1.96 लाख बैरल प्रतिदिन) रह गया। गैजप्रोम के नियंत्रण वाला ओरेनबर्ग प्लांट सोमवार से सीमित स्तर पर गैस की आपूर्ति फिर से शुरू कर सकता है, लेकिन सामान्य उत्पादन बहाल होने में समय लगेगा। तेल और गैस दोनों का उत्पादन एक-दूसरे से जुड़ा होने के कारण, कराचागानाक क्षेत्र में गैस आपूर्ति प्रभावित होते ही तेल उत्पादन भी घट गया है।

अगर बुलाया गया तो हम शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे : जेलेंस्की

एजेंसी । बुडापेस्ट

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वह हंगरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार हैं। यह बयान ट्रंप और पुतिन द्वारा हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में अगले कुछ हफ्तों में यूक्रेन युद्ध पर बातचीत करने की योजना की घोषणा के बाद आया है। ट्रंप ने पहले ही ऐलान किया था कि वह यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के मकसद से पुतिन से दूसरी दौर की बातचीत करेंगे। सोमवार (20 अक्टूबर) को संवाददाताओं से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यदि उन्हें आमंत्रित किया जाता है और बैठक का प्रारूप ऐसा होगा कि वह ट्रंप और पुतिन से सीधे मिल सकें या शटल डिप्लोमेसी के तहत वार्ता हो, तो वह इस बैठक में शामिल होने को तैयार हैं।

जेलेंस्की ने हंगरी को वार्ता स्थल के रूप में चुनने की आलोचना की

उन्होंने कहा, "किसी न किसी प्रारूप में हम सहमत होंगे।" हालांकि जेलेंस्की ने हंगरी को वार्ता स्थल के रूप में चुनने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान का रवैया यूक्रेन के लिए सकारात्मक नहीं है और उनका योगदान संतुलित नहीं माना जा सकता। वहीं, ट्रंप लगातार रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने की कोशिश में लगे हुए हैं। उन्होंने पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच सीधे बातचीत करवाई।

झारखंड मुक्ति मोर्चा बिहार चुनाव से बाहर

- कांग्रेस और RJD पर लगाया धोखा देने का आरोप
- JMM ने चुनाव से किनारा किया

एजेंसी । पटना

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) बिहार विधानसभा चुनाव से बाहर हो गई है। झारखंड सरकार में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी और महागठबंधन के प्रमुख दल कांग्रेस और आरजेडी पर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब पार्टी न तो बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी और न ही महागठबंधन के किसी प्रत्याशी के प्रचार में भाग लेगी।

कांग्रेस और RJD पर आरोप

सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि बिहार में कांग्रेस और आरजेडी ने गठबंधन की शर्तों का पालन नहीं किया और राजनीतिक चालबाजी करके JMM को चुनाव में भाग लेने से रोका। उन्होंने इसे झारखंड और आदिवासी जनता के अपमान के रूप में देखा।

राजद को चुकानी होगी राजनीतिक कीमत

मंत्री सोनू ने कहा कि 2019 में झारखंड में राजद का केवल एक विधायक था, तब भी JMM ने उन्हें सम्मान दिया। आज चार विधायक होने के बावजूद राजद ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ अनुचित व्यवहार किया। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में राजद को इसके राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे।

महागठबंधन में दरार

JMM के बिहार चुनाव से बाहर होने के बाद महागठबंधन में दरार स्पष्ट हो गई है। सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि अब पार्टी बिहार में महागठबंधन से अलग होकर अपनी रणनीति बनाएगी और झारखंड में भी गठबंधन पर पुनर्विचार होगा। उन्होंने कहा कि दोहरी नीति अब स्वीकार नहीं की जाएगी; जहां झारखंड में उनकी ताकत से सरकार चले।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान में भूकंप के झटके, कई घरों को नुकसान

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कई इलाकों में सोमवार को 4.7 तीव्रता का भूकंप आया। झटके से लोगों में डर फैल गया और कई घरों को नुकसान पहुंचा। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) के अनुसार भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी और यह सुबह 11:12 बजे महसूस किया गया। पिछले सप्ताह भी पाकिस्तान में 4.0 तीव्रता के भूकंप आए थे। विशेषज्ञों ने सतर्क रहने और आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है।

कुलगाम में पुलिस ने ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

श्रीनगर। समाज से ड्रग्स के खतरे को जड़ से खत्म करने के अपने निरंतर प्रयासों में कुलगाम में पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस स्टेशन कैमोह की एक पुलिस पार्टी ने खुडवानी बाईपास पर स्थापित एक चेकपॉइंट पर एक ड्रग तस्कर को 09 ग्राम चरस और 01 किलोग्राम पिसी हुई भांग जैसे पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। घटना के संबंध में, कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 82/2025 के तहत पुलिस स्टेशन कैमोह में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू की गई है।

इमरान खान की बहन अलीमा खान पर ATC ने गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी । रावलपिंडी

पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान पर अब अदालत की कार्रवाई शुरू हो गई है। रावलपिंडी की आतंकवाद-रोधी अदालत (ATC) ने सोमवार को उन्हें गिरफ्तारी का आदेश दिया और पुलिस को कहा कि अलीमा को 22 अक्टूबर को अदालत में पेश किया जाए। यह मामला पिछले साल 26 नवंबर को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। जज अमजद अली शाह ने अलीमा की लगातार गैर-हाजिरी के कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस मामले में अलीमा खान समेत कुल 10 आरोपियों पर आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने सजिद कुरैशी, आतिफ रियाज, फहीम रज़ाक, अदालत खान कुरैशी, मुरसलीन कियानी, तैय्यब अब्बास शाह, उमर शाह मोहम्मद हनीफ और अली रजा समेत अन्य आरोपियों को भी नामित किया।

विरोध प्रदर्शन इमरान खान की रिहाई के लिए

रावलपिंडी एटीसी ने अलीमा के जमानतदार उमर शरीफ के खिलाफ भी गैर-जमानती वारंट जारी किया और उनकी जमा संपत्ति के दस्तावेजों की जांच के निर्देश दिए। यह विरोध प्रदर्शन इमरान खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से किया गया था। इस दौरान पार्टी के समर्थक और नेता पेशावर से इस्लामाबाद तक मार्च कर रहे थे।

बडगाम उपचुनाव: उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन

जम्मू-कश्मीर। बडगाम और नगरोटा की दो रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए सियासी हलचल तेज हो गई है। सोमवार को सभी प्रमुख दलों के उम्मीदवारों ने बडगाम सीट के लिए नामांकन दाखिल किए। यह दिन उम्मीदवारों के लिए अंतिम था, जिसके चलते नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के प्रत्याशी भारी संख्या में पहुंचे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार आगा सैयद महमूद ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ नामांकन दाखिल किया। पीडीपी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतज़िर ने बडगाम उपायुक्त कार्यालय में अपना नामांकन जमा किया।

RJD उम्मीदवार सत्येंद्र साह गिरफ्तार

21 साल पुराने डकैती मामले में पुलिस ने किया एक्शन

एजेंसी । पटना

सासाराम विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के उम्मीदवार सत्येंद्र साह को नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। सत्येंद्र सासाराम अनुमंडल कार्यालय में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर रहे थे, तभी पुलिस ने झारखंड के गढ़वा थाना क्षेत्र में 2004 के एक पुराने डकैती मामले में जारी स्थाई वारंट के आधार पर उन्हें हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद सासाराम की राजनीति में हलचल मच गई और राजद समर्थकों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने सत्येंद्र साह को झारखंड पुलिस के हवाले कर दिया है।

राजद के सामने नई चुनौती

सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का नामांकन चल रहा है। यह घटना राजद की चुनावी रणनीति को झटका देने वाली है और अब पार्टी के सामने यह चुनौती है कि वह क्या सत्येंद्र साह को उम्मीदवार बनाए रखती है या कोई वैकल्पिक उम्मीदवार खड़ा करती है।

सत्येंद्र साह का राजनीतिक सफर

सत्येंद्र साह ने वर्ष 2010 में कांग्रेस (जे) के टिकट से चुनाव लड़ा था। कुछ वर्ष पहले उन्होंने अपनी पत्नी को नगर निगम सासाराम से मेयर चुनाव में उतारा था। इस बार राजद ने वर्तमान विधायक राजेश गुप्ता का टिकट काटकर उन्हें उम्मीदवार बनाया। नामांकन के दौरान भारी पुलिस सुरक्षा के बीच गिरफ्तारी हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

कोच्चि में हिजाब विवाद जारी, दो और छात्राओं ने छोड़ा स्कूल

एजेंसी । पल्लुरूथी

कोच्चि के सेंट रीटा पब्लिक स्कूल में हिजाब को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कक्षा दो और तीन की दो छात्राओं के अभिभावकों ने स्कूल से स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) के लिए आवेदन किया है। माता-पिता ने आरोप लगाया कि स्कूल के प्रिंसिपल और पीटीए अध्यक्ष ने हिजाब पहनने वाली छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार किया, जिससे वे डरे हुए हैं और अपने बच्चों को सुरक्षित माहौल में पढ़ाना चाहते हैं। अभिभावक जेसना एस. फिरदौस ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि स्कूल प्रशासन अन्य धर्मों और परंपराओं के प्रति पूर्वाग्रह रखता है। उन्होंने बताया कि बच्चों का दाखिला अब

अवर लेडीज कॉन्वेंट स्कूल में कराने की योजना बनाई गई है, जहां शिक्षक सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे ऐसे नेकदिल शिक्षकों के सानिध्य में बड़े हों।' वहीं, सीपीआई के एर्नाकुलम जिला सचिव एम. अरुण ने आरोप लगाया कि हिजाब विवाद को सांप्रदायिक विभाजन बढ़ाने के एजेंडे के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ ईसाई प्रबंधन संस्थानों का इस्तेमाल इस रणनीति के लिए किया जा रहा है। इससे पहले आठवीं कक्षा की एक छात्रा हिजाब पहनकर स्कूल गई थी, जिसके कारण स्कूल प्रशासन ने आपत्ति जताई।

शेयर बाजार में फेस्टिव जैकपॉट

4 दिन में निवेशकों को 10 लाख करोड़ का फायदा

एजेंसी । नई दिल्ली

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी देखने को मिली है। इस तेजी से निवेशकों को चार कारोबारी दिनों में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फायदा हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बाजारों में तेजी, विदेशी निवेशकों का रुझान, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रुपए में मजबूती इस तेजी के मुख्य कारण रहे हैं।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 14 अक्टूबर को 82,029.98 अंक पर बंद हुआ था, जबकि सोमवार को यह 84,363.37 अंक पर बंद हुआ। इसका मतलब है कि चार दिनों में सेंसेक्स में 2,333.39 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स 411.18 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि दिन के कारोबार के दौरान यह 704.37 अंक की तेजी के साथ 84,656.56 अंक तक पहुंचा। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एसबीआई, टीसीएस, टाइटन और भारती एयरटेल के शेयरों में अच्छी बढ़त रही।

विदेशी बाजारों का असर

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 308.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। चार दिनों की लगातार तेजी से बीएसई का मार्केट कैप 14 अक्टूबर के 4,59,67,652.36 करोड़ रुपये से बढ़कर 20 अक्टूबर को 4,69,73,800.90 करोड़ रुपये हो गया।

निफ्टी में भी जोरदार उछाल

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 14 अक्टूबर को 25,145.50 अंक पर था, जो सोमवार को 25,843.15 अंक पर बंद हुआ। चार दिनों में निफ्टी में 697.65 अंकों का इजाफा हुआ। सोमवार को निफ्टी 133.30 अंक या 0.52 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 25,926.20 अंक के उच्च स्तर पर भी पहुंचा।